卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंध्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 24 ♦अंक 40 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦17 नवम्बर 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

KJ KUMAON JEWELLERS
TRUSTED TRADE
50% Off On Making Charges
100% Hallmarked HUID Jewellery Showroom
Bhotia Parao, Near Taxi Stand Nainital Road, Haldwani
Unchapul, Near Devashray Colony, Haldwani
Opp. P.A.C. Gate No. 2 Near ICICI Bank Rudrapur (U.S Nagar) Uttarakhand
Near Soban Singh Jeena Base Hospita, Haldwani Uttaranchal Trade Centre, Tikonia, Haldwani
Ph.: 9759290502, 8791172502
E-mail.: verma.sanjeev9759@gmail.com

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

वाहन खाई में गिरने से 7 की मौत, चार गंभीर

हल्द्वानी (उद ब्यूरो)। ओखलकांडा ब्लॉक के छीड़ाखान–रीठासाहिब मोटर मार्ग पर शुक्रवार सुबह टैक्सी वाहन के खाई में गिरने से सात लोगों की मौत हो गयी जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल भर्ती कराया गया है। घायलों को बमुश्किल खाई से निकाला गया। जानकारी के अनुसार ओखलकांडा ब्लॉक के छीड़ाखान–रीठासाहिब मोटर मार्ग में शुक्रवार की सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हाईवे पर टैक्सी अनियंत्रित होकर 500 मीटर गहरी खाई में गिर गयी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। साथ ही चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, ओखलाकांडा ब्लॉक के डाल कन्या और छीडाखान के समीप सुबह 8 बजे ग्राम सभा डालकन्या के सरपंच राजू पानेरू का कैम्पर अधौडा से हल्द्वानी की तरफ जा रहा था। तभी बाइक के अचानक सामने आ जाने से वाहन अनियंत्रित हो गया और खाई में जा गिरा। टैक्सी में 11 लोगों के सवार होने की संभावना है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन में दो महिलाएं, एक बच्चा और चार पुरुषों की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन गिरने की आवाज सुनते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों द्वारा राहत–बचाव कार्य में जुटे। (शेष पृष्ठ 7पर)

हार्डवेयर की दुकान में आग से लाखों की क्षति

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गंगापुर रोड पर हार्डवेयर की एक दुकान आग की भेंट चढ़ गयी। दमकल कर्मियों ने बमुश्किल आग को काबू किया। अग्निकाण्ड में लाखों की क्षति का अनुमान है। जानकारी के मुताबिक शांति विहार निवासी हरि नारायण विश्वकर्मा की गंगापुर रोड दक्ष चौक के पास विश्वकर्मा इंटरप्राईजेज के नाम से हार्डवेयर की दुकान है। गुरूवार शाम को दुकान स्वामी दुकान बंद करके घर चले गये। रात करीब नौ बजे दुकान से अचानक धुंआ उठता देख आस पास के लोगों ने दुकान स्वामी को सूचित किया और पुलिस एवं दमकल को भी सूचना दी। जब तक दमकल वाहन मौके पर पहुंचा तब तक दुकान में आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। दमकल कर्मियों ने बमुश्किल आग को काबू किया। तब तक दुकान में लाखों का सामान खाक हो चुका था। दुकान स्वामी के मुताबिक अग्निकाण्ड में करीब 20 लाख का नुकसान हुआ है। अग्निकाण्ड का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

सुरंग में फंसे मजदूर देर रात तक आ सकते हैं बाहर!

26 मीटर से अधिक हो चुकी है ड्रिलिंग,बोल्डर बन रहे बाधक

उत्तरकाशी(उद संवाददाता)। सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग में फंसे चालीस मजदूरों को निकालने की जंग छठें दिन भी जारी है। अमेरिकी ऑगर मशीन से शुक्रवार दोपहर तक 26 मीटर से अधिक ड्रिलिंग की जा चुकी है। शुक्रवार को ड्रिलिंग के दौरान बोल्डर मशीन के सामने आ गया। जिसके कारण ड्रिलिंग में व्यवधान पहुंचा है। सुरंग में फंसे 40 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चल रहे ऑपरेशन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अपडेट ले रहे हैं। रेस्क्यू अभियान के छठे दिन अमेरिकी जैक एंड पुश अर्थ ऑगर मशीन से ड्रिलिंग जारी है। अमेरिकी ऑगर मशीन से 900 एमएम व्यास के करीब करीब 10 से 12 पाइप डाले जाने हैं। खबर लिखे जाने तक चार पाईप डाले जाने की जानकारी मिली है। बताया गया है कि गुरूवार रात साढ़े बारह बजे चौथे पाइप को जोड़ने का कार्य शुरू हो गया था। टनल में कुल 60 मीटर तक ऐसे 11 पाइप बिछाए जाने हैं। इन्हीं पाइप से रास्ता बनाते हुए मजदूरों को बाहर लाया जाएगा। यह मशीन एक घंटे में पांच से छह मीटर तक ड्रिलिंग कर रही है, लेकिन पाइप वेल्डिंग और एलाइनमेंट सही करने में करीब एक से दो घंटे का समय लग रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि देर रात तक मजूदरों को बाहर निकाल लिया जाएगा।सुरंग में फंसे लोगों की जान बचान को ऑक्सीजन सप्लाई के साथ खाद्य पदार्थ भी लगातार (शेष पृष्ठ सात पर)

स्मैक के साथ दो वारंटी पकड़े

किच्छा(उद संवाददाता)। पुलिस ने वारंटियों की धर पकड़ के दौरान दो वारंटियो से स्मैक भी बरामद की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात्रि में पुलिस ने वांटियो की धर पकड़ के लिए अभियान चलाया। पुलिस ने दो लोगों को पकड़ा तो उनके पास से स्मैक भी बरामद हुई। पुलिस ने बताया कि गुरपेज सिंह उर्फ पिज्जा पुत्र मन्जीत सिंह निवासी वीरुनगला थाना किच्छा को कोतवाली किच्छा द्वारा माननीय न्यायालय द्वारा जारी वारण्ट पर गिरफ्तार किया गया। तलाशी में उसके जेब से 7.30 ग्राम स्मैक, गुरबाज सिंह पुत्र मनजीत सिंह निवासी वीरु नगला, थाना किच्छा जिस पर शक होने पर पुलिस द्वारा आवश्यक बल प्रयोग कर पकड़ लिया पकड़े गये व्यक्ति की जामा तलाशी ली तो उसकी जेब से 7.50 ग्राम स्मैक बरामद (शेष पृष्ठ सात पर)

कालोनाइजर पर कसा शिकंजा प्रशासन ने कब्जे में ली सरकारी भूमि

किच्छा(उद संवाददाता)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत चुटकी देवरिया में कॉलोनाइजर द्वारा काटी जा रही कॉलोनी के मध्य वन विभाग एवं जिला पंचायत भूमि को प्रशासन द्वारा नाप जोख कर अपने कब्जे में लिया गया। उप जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा

तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी, विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता नितिन कुमार ने चुटकी देवरिया पहुंचकर कॉलोनाइजर द्वारा काटी जा रही कॉलोनी का स्थलीय निरीक्षण किया और सरकारी भूमि को अपने कब्जे में ले लिया। बता दें कॉलोनाइजर

लापरवाही पर शासन ने निलंबित किये लोनिवि के दो अभियंता

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। उत्तराखंड शासन ने लोक नीर्माण विभाग के दो अभियंता को निलंबित कर दिया। निलंबन की कार्रवाई लोनिवि अस्थाई खंड के अधि शासी अभियंता धीरेंद्र कुमार व राष्ट्रीय राजमार्ग खंड के अधिशासी अभियंता विजय कुमार पर की गई। दोनों पर सड़कों की मरम्मत, चौड़ीकरण आदि के कार्यों में लापरवाही बरतने का आरोप है। दोनों अधिशासी अभियंताओं पर शासन की विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग न करने और निर्देशों की अवहेलना का आरोप है। शासन के निलंबन आदेश के मुताबिक उच्च न्यायालय, उत्तराखंड नैनीताल के तत्वावधान में उत्तराखंड न्यायिक एवं विधिक अकादमी (उजाला), भवाली में 30 सितंबर को प्रस्तावित रीजनल कॉन्फ्रेंस, जिसमें उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्तिगण एवम् अन्य उच्च न्यायालयों के न्यायमूर्तिगणों के साथ ही राज्य सरकार के विशिष्ट अथितियों द्वारा प्रतिभाग किया गया था। अतिविशिष्ट कार्यक्रम के दृष्टिगत सड़कों के सुधारीकरण गड्ढामुक्त किए जाने के कार्यों में बरती गई शिथिलता तथा शासन स्तर पर आहूत बैठक में प्रतिभाग नहीं किए जाने विषयक लापरवाही के कारण विजय कुमार, अधिशासी अभियंता राजमार्ग खंड, लोक निर्माण विभाग, हल्द्वानी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर क्षेत्रीय कार्यालय, लोक निर्माण विभाग में संबंद्ध करते हुए नियमानुसार अनुशासनिक कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है।इसी तरह केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि के तहत सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत (शेष पृष्ठ सात पर)

रुद्रपुर में विराट कवि सम्मेलन 20 नवम्बर को

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। राष्ट्रीय चेतना मंच की ओर से शहर में विराट कवि सम्मेलन का आयोजन आगामी 20 नवम्बर को जनता इंटर कालेज में किया जाएगा। कवि सम्मेलन में देश के जाने माने कवि कविता पाठ करेंगे। पत्रकार वार्ता में जानकारी

देते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल एवं कार्यक्रम राष्ट्रीय चेतना मंच के अध्यक्ष संजय ठुकराल ने बताया कि स्वतंत्रता के नायक अमर शहीदों शहीद भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद, सुखदेव थापर, शिवराम राजगुरू, राम (शेष पृष्ठ सात पर)

अभी 30 से 35 घंटे और..रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी एजेंसियां

सिलक्यारा में छटे दिन भी मजदूरों की जान बचाने की जंग जारी: सुरंग के अंदर मलवे में एस्केप टनल बनाकर 40 मजदूरों को निकालने के लिए 60 मीटर तक होगी ड्रिलिंग, एनडीआरएफ,आईटीबीपी और एसडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

उत्तरकाशी(उद ब्यूरो)। उत्तराखंड में चारधाम आलवेदर रोड परियोजना के अंतर्गत उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग हादसे को पांच दिन का समय पूरा हो चुका है। आज रेस्क्यू का छठवां दिन है। निकासी सुरंग बनाने में पिछले दो दिन से आ रही तकनीकी अड़चनों के बाद दिल्ली से मंगाई गई उच्च क्षमता की ड्रिलिंग मशीन (अमेरिकन औगर) से देर रात तक 900 मिमी व्यास के छह मीटर लंबे तीन पाइप बिछा दिए गए। उप जिलाधिकारी बड़कोट मुकेश रमोला ने बताया कि अब तक 18 मीटर निकासी सुरंग तैयार हो गई है।अभी मशीन को 42 मीटर ड्रिलिंग कर सात पाइप और बिछाने हैं, जिसमें 30 से 35 घंटे का समय लग सकता है। इसके बाद ही श्रमिकों को बाहर निकाला जा सकेगा। श्रमिकों को निकालने के लिए भूस्खलन क्षेत्र में मलबे के बीच कुल 60 मीटर लंबी निकासी सुरंग बनेगी। केंद्रीय भूतल परिवहन राज्यमंत्री जनरल (सेनि.) वीके सिंह ने गुरुवार को सिलक्यारा पहुंचकर राहत व बचाव कार्य का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी लगातार बचाव कार्य की निगरानी करते हुए अधिकारियों से अपडेट ले रहे हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह ने शुक्रवार देर रात तक सुरंग में फंसे श्रमिकों को बाहर निकाले जाने की उम्मीद जताई है। उन्होंने सुरंग के भीतर पूजा-अर्चना कर भगवान से श्रमिकों के सकुशल होने की कामना भी की। उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग में रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे भूस्खलन हो गया था, जिसके बाद से 40 श्रमिक भीतर फंसे हुए हैं। उन्हें पानी निकासी के पाइप के माध्यम से आक्सीजन और खाद्य सामग्री की आपूर्ति की जा रही है। बचाव कार्य में जुटी एजेंसियों ने पहले मलबा निकालने का प्रयास किया था, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद मंगलवार को देहरादून से लाई गई ड्रिलिंग मशीन से 800 मिमी व्यास के पाइप डालकर अस्थायी सुरंग बनाने का प्रयास किया गया, लेकिन मशीन खराब हो गई। ऐसे में बुधवार को दिल्ली से वायु सेना के विशेष विमान से उच्च क्षमता और अत्याधुनिक तकनीक वाली ड्रिलिंग मशीन सिलक्यारा पहुंचाई गई, जिसने गुरुवार सुबह काम शुरू किया। मशीन स्थापित करने से पूर्व स्थानीय देवता की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद सुबह 10 बजे ड्रिलिंग शुरू हुई और डेढ़ घंटे में छह मीटर लंबे 900 मिमी व्यास के एक पाइप को भीतर धकेला गया। निकासी सुरंग बनाने का कार्य रात में भी जारी रहा। प्रशासनिक अधिकारियों ने पहले बताया था कि ड्रिलिंग मशीन एक घंटे में पांच मीटर ड्रिल कर सकती है और इस तरह 12 घंटे में 60 मीटर ड्रिलिंग कर निकासी सुरंग तैयार कर ली जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। क्योंकि, एक पाइप को दूसरे पाइप से जोड़ने में ही करीब दो घंटा लग रहा है। ड्रिलिंग का समय इससे अतिरिक्त है। 110 घंटे से भी अधिक समय से सुरंग के भीतर फंसे 40 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए अभी 30 से 35 घंटे का समय और लग सकता है। दीपावली के दिन सुबह से सुरंग के अंदर फंसे 40 मजदूरों को बचाने के लिए देहरादून से ऑगर मशीन मंगवाई गई थी, लेकिन क्षमता कम होने के चलते मंगलवार देर रात इसे हटा दिया गया था। जिसके बाद दिल्ली से 25 टन वजनी एक नई अत्याधुनिक ऑगर मशीन मंगवाई गई। जिसकी खेप बुधवार को वायुसेना के तीन हरक्यूलिस विमानों से चिन्यालीसौड़ हवाई अड्डे पर उतारी गई।

सीएम धामी ने गढ़वाल कमिश्नर को दिए रेस्क्यू एजेंसियों को सहयोग करने के निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को सचिवालय में सिलक्यारा,उत्तरकाशी में चल रहे राहत व बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेस्क्यू कार्य में लगी सभी टेक्निकल एजेंसियों को हर संभव सहयोग दिया जाए। मुख्यमंत्री श्री धामी ने गढ़वाल कमिश्नर को निर्देश दिए कि रेस्क्यू कार्य में किसी भी प्रकार से विलंब न हो, मौके पर कार्य कर रही एजेंसियों को राज्य की तरफ से सभी आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए। सुरंग दुर्घटनास्थल पर चल

रहे बचाव अभियान पर सीएम धामी ने कहा कि मशीन इंस्टॉल हो गई है और वहां काम शुरू हो गया है। सभी एक-दूसरे के समन्वय के साथ काम कर रहे हैं। सभी लोगों से लगातार संपर्क हो रहा है और उनके लिए सभी व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सभी लोग सुरक्षित हैं। सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को भी हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्री आर.मीनाक्षी सुंदरम, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय एवं सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी मौजूद थे।

नई मशीन से रेस्क्यू कार्य जल्द खत्म हो जाएगा : वीके सिंह

उत्तरकाशी। जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों के साथ सिलक्यारा पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन के

प्रभारी कर्नल दीपक पाटिल व एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशु मनीष खल्को ने उन्हें निर्माणाधीन सुरंग व रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी दी। उन्होंने सुरंग के अंदर जाकर भी भूस्खलन वाली जगह का निरीक्षण किया। इस दौरान वीके सिंह ने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे लोगों को जल्द से जल्द बाह निकालना पहली प्राथमिकता है। इसके लिए प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री, मुख्यमंत्री से लेकर सभी एजेंसियां मिलकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब रेस्क्यू शुरू हुआ तो मलबा गिर रहा था। इसलिए मशीन से यहां ड्रिलिंग कर लोगों को बचाने का निर्णय लिया गया, लेकिन पुरानी मशीन में कुछ रुकावट आई। अब नई मशीन लगाई गई है, जिसकी पावर और स्पीड पुरानी मशीन से ज्यादा है। कोशिश है कि यह रेस्क्यू कार्य जल्द खत्म हो जाए। पत्रकारों से वार्ता में केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि घटना के कारणों की अलग से गहन जांच होगी। वर्तमान में पहली प्राथमिकता सुरंग में फंसे लोगों को बचाना है। उन्होंने बचाव कार्य दो से तीन में पूरा कर लेने की बात कही है। बता दें कि बीते रविवार को हुए भूस्खलन से सिलक्यारा सुरंग में 70 मीटर तक मलबा फैला हुआ है। जिस गति से नई मशीन ड्रिलिंग कर रही है, उसे देखकर यही लगता है कि अंदर फंसे मजदूरों को बाहर निकालने में कम से कम 48 घंटे का समय और लग सकता है।

सुरंग में फंसे श्रमिकों को ऑक्सीजन और खाद्य सामग्री की लगातार आपूर्ति की जा रही : डीएम

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी सुरंग हादसे में फंसे 40 श्रमिकों को निकालने के लिए लगातार छह दिनों से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। पिछले 6 दिनों से सिलक्याला सुरंग में फंसे 40 श्रमिकों को निकालने के लिए बनाई जा रही एस्केप टनल 21 मीटर बन पाई है। बताया जा रहा है कि टनल बनाने के कार्य में बोल्डर या मेटल आने के कारण कुछ रुकावट आई थी, जिसे बाद में ड्रिल करके दूर कर ली गई। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी अभिषेक रूहेला ने बताया कि सुरंग में फंसे श्रमिकों के लिए ऑक्सीजन और खाद्य सामग्री की लगातार आपूर्ति की जा रही है। उनके अनुसार सुरंग में बिजली और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था है। श्रमिकों को आवश्यकतानुसार दवा आदि भी भेजी जा रही हैं। फिलहाल, सभी श्रमिक सुरक्षित हैं। उत्तरकाशी के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल ने बताया कि मलबे में ड्रिल करने और छह मीटर लंबे पाइप को धकेलने में करीब डेढ़ घंटे लग रहा है। इसके बाद एक पाइप को दूसरे पाइप से जोड़ने में करीब दो घंटा लग रहा है। मशीन को बीच-बीच में विश्राम भी

दिया जा रहा है। कहा कि जब निकासी सुरंग की लंबाई बढ़ने लगेगी तो काम की गति तेज होने की उम्मीद है। राहत व बचाव टीम के विशेषज्ञों के अनुसार, सुरंग में फंसे श्रमिकों तक पहुंचने के लिए करीब 60 मीटर लंबी निकासी सुरंग बनाने में शुक्रवार रात तक का समय लग सकता है। सिलक्यारा सुरंग में मलबे में ड्रिल कर डाले जा रहे पाइप का किसी कठोर वस्तु ने रास्ता रोक दिया है। चौथा पाइप आधा जाकर रुक गया। तीन पाइप पूरे और चौथा पाइप आधा ही गया है। हांलाकि आज 25 मीटर की डिलिंग हुई है। अमेरिकी ऑगर मशीन से 900 एमएम व्यास के करीब 10 से 12 पाइप डाले जाने हैं।

सुरंग में बंद मजदूरों का टूट रहा सब्र, हमें कब बाहर निकालोगे ?

मजदूरों को खाने के लिए पाईप से प्रत्येक दो घंटे के अंतराल पर मुरमुरे, भुने व भीगे चने, पॉपकॉर्न, बादाम, काजू आदि दिए जा रहे

उत्तरकाशी। पिछले पांच दिनों से सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों का सब्र अब जवाब दे रहा है। वह बोल रहे हैं कि हमें कब बाहर निकालोगे। सुरंग में वेल्डिंग का काम कर रहे एमडी रिजवान ने यह जानकारी दी। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया है कि रेस्क्यू के लिए पाइप डालने का काम कर रहे हैं। जब पाइप पड़ जाएंगे तो सभी को बाहर निकाल लिया जाएगा। एमडी रिजवान उन लोगों में से एक हैं जो सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। रिजवान ने बताया कि वह बीते बुधवार सुबह आठ बजे सुरंग में काम करने के लिए अंदर गए थे। चौबीस घंटे काम कर वह बृहस्पतिवार सुबह बाहर आए।

उन्होंने बताया कि जो भी मजदूर सुरंग के अंदर फंसे हैं, वह यह पूछ रहे हैं कि हमें कब बाहर निकालोगे। कहा कि वह अपने साथियों को बाहर निकालने के लिए पूरे जी-जान से जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि ऑगर मशीन ने काम करना शुरू कर दिया है। इस मशीन से ड्रिलिंग कर पाइपों को अंदर डाला जा रहा है। उम्मीद है कि अंदर फंसे सभी मजदूर जल्द बाहर निकल जाएंगे। सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को बचाने के लिए चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा आईटीबीपी और एनडीआरएफ ने संभाल लिया है। सुरंग के मुहाने पर की गई बैरिकेडिंग पर पहले उत्तराखंड पुलिस व एसडीआरएफ के जवान तैनात थे। जिन्हें अब सुरंग से करीब 150 मीटर दूर बैरिकेडिंग पर लगाया गया है। वहीं सुरंग से लगी मुख्य बैरिकेडिंग पर आईटीबीपी ने मोर्चा संभाल लिया है। जो बिना पास के किसी को भी सुरंग में प्रवेश करने नहीं दे रहे हैं। मीडिया कर्मियों के लिए भी 150 मीटर दूर अस्थायी मीडिया गैलरी तैयार की गई है। सिलक्यारा सुरंग में फंसे 40 मजदूरों तक खाने की आपूर्ति के लिए 125 एमएम व्यास के 11 पाइप डाले जा रहे हैं। जिससे उन तक ज्यादा मात्रा में खाद्य सामग्री पहुंचाई जा सके। पूर्व में खाद्य सामग्री 80 एमएम व्यास के पाइप से भेजी जा रही थी। बुधवार तड़के खाद्य सामग्री भेजने के लिए ज्यादा व्यास के पाइप डालने का काम शुरू किया गया। यहां 125 एमएम व्यास के 11 पाइप डाले जाने हैं। बता दें कि यहां फंसे मजदूरों को खाने के लिए प्रत्येक दो घंटे के अंतराल पर मुरमुरे, भुने व भीगे चने, पॉपकॉर्न, बादाम, काजू आदि दिए जा रहे हैं।

रेरा एप्रूव्ड कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी सड़कें,
बड़े-बड़े पार्क, गेट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाईट

डायनामिक गार्डन सिटी
तोमर कंस्ट्रक्शन
श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किच्छा रोड, रूद्रपुर
मोबा. 9557222289,7088169159

☛ 100 से 400 गज तक के प्लाट
☛ 100,160, 200 गज विला
☛ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।
100 से अधिक परिवार रह रहे हैं

दून से विदा होंगी डीजल बसें, केवल सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी

देहरादून(उद संवाददाता)। देहरादून शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने, आमजन को सुविधाजनक और आरामदायक सफर उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने शहर में दौड़ रही डीजल सिटी बसों को बाहर करने की तैयारी कर ली है। डीजल बसों के स्थान पर शहर में केवन सीएनजी व इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। इसके लिए सिटी ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (सीटीसी) का गठन किया जाएगा, जो उत्तराखंड परिवहन निगम के अधीन रहेगा। वर्तमान में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत संचालित हो रही 30 इलेक्ट्रिक बसें भी सीटीसी के अधीन ही संचालित होंगी। नई सीएनजी या इलेक्ट्रिक बस लाने पर ट्रांसपोर्टर को सब्सिडी देने की तैयारी चल रही है। शहर में सार्वजनिक परिवहन सेवा में सुधार के लिए गुरुवार को सचिवालय में मुख्य सचिव डा. एसएस संधु की अध्यक्षता में यूनीफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (यूएमटीए) की बैठक हुई। इस दौरान स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) के गठन पर चर्चा हुई। इसके तहत प्रारंभिक चरण में देहरादून शहर, जबकि अगले चरण में ऋषिकेश, हरिद्वार, हल्द्वानी, नैनीताल व काशीपुर में परिवहन सेवा में सुधार पर मंथन हुआ। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वह पिछले एक वर्ष से शहर में सीएनजी सिटी बसों के संचालन की कसरत कर रहे हैं। इसके लिए सिटी बस संचालकों के साथ पिछले वर्ष बैठक भी की जा चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में जब शहर में डीजल सिटी बसों के बदले इलेक्ट्रिक सिटी बसों के संचालन का प्रस्ताव रखा गया तो सिटी बस संचालकों ने इसे सिरे से नकार दिया। उनका कहना था कि वह एक से सवा करोड़ रुपये कीमत की इलेक्ट्रिक बस नहीं खरीद सकते। हालांकि, सीएनजी बसों पर उन्होंने सशर्त सैद्धांतिक सहमति दे दी थी। शर्त यह थी कि स्मार्ट सिटी परियोजना की इलेक्ट्रिक बसों की तर्ज पर सिटी बस संचालकों को भी सीएनजी बसों में सब्सिडी दी जाए। इलेक्ट्रिक बसें संचालित कर रही निजी कंपनी को स्मार्ट सिटी कंपनी की ओर से प्रति किमी 67 रुपये भुगतान किया जा रहा। सिटी बस संचालकों की मांग है कि सीएनजी बस खरीद पर उन्हें 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाए। संचालकों ने बताया था कि सीएनजी की 25 सीटर बस की कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। सब्सिडी के तौर पर सरकार अगर साढ़े 12 लाख रुपये देती है तो वह सीएनजी बस लाने को तैयार हैं। ट्रांसपोर्टरों ने सूबे में पर्यटन विभाग की ओर से संचालित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली योजना के तहत भी सिटी बस संचालकों को चार प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की मांग भी रखी।

विवाहिता को जिंदा जलाने का प्रयास

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। दहेज लोभी ससुरालियों ने दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को घर से निकाल दिया। आरोप है कि ससुरालियों ने गैस खुली छोड़कर जिंदा जलाने का प्रयास भी किया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आदर्श कालोनी निवासी चंचल बाला पुत्री श्री देशराज का विवाह 25 नवम्बर 2020 को प्रशान्त जैन निवासी पॉल काम्पलेक्स के पीछे पर्वतीय मोहल्ला हल्द्वानी के साथ हुआ था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही पति और ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे हैं। ससुराल की प्रताड़ना से मजबूर होकर मायके वालों ने दो लाख रूपये दिये लेकिन इससे भी ससुराल वालों का पेट नहीं भरा। विवाहिता ने शिकायत में कहा है कि पति के अलावा सास उमा जैन ससुर राकेश चन्द्र जैन, बुआ सास ऊषा जैन ननद सोनिका जैन व मोनिका जैन कम दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे हैं। उससे पांच लाख रूपये दहेज में देने की मांग की जा रही है। आरोप है कि ससुरालियों ने दहेज नहीं लाने पर उसे घर से निकाल दिया। बाद में लोगों के समझाने पर उसे पुनः ससुराल लाये तो किचन में गैस खुली छोड़ दी। जिसमें वह बाल बाल बची। उसके बाद पुनः ससुराल वालों ने दहेज के लिए घर से निकाल दिया और लगातार तलाक के लिए दबाव बना रहे हैं। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुमित्रा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उमड़े लोग

गदरपुर (उद संवाददाता)। क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी एवं दुग्ध संघ के चेयरमैन तिलक राज गम्भीर की माता जी का आकस्मिक निधन विगत 14 नम्बर को हो गया था। जिनकी आत्मिक शांति हेतु अंतिम अरदास मे क्षेत्र के हजारों लोग उमड़ पड़े। जिसमें राजनैतिक, सामाजिक व धार्मिक संगठनों से जुड़े लोग एवं जनप्रतिनिधि भी शामिल थे। सभी ने सुमित्रा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान भाजपा नेता सुरेश परिहार ने कहा कि स्व0 सुमित्रा देवी ने जो संस्कार परिवार में अपने बच्चों को दिए है उन्ही संस्कारो की बदौलत आज गम्भीर परिवार का नाम गर्व से लिया जाता है। उन्होंने कहा स्व0 माता जी के मृत्यपरांत नेत्रदान कर दो लोगो को इस संसार को देखने के लिए दिव्य ज्योति प्रदान की है। क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडेय ने कहा कि स्व0 माता जी ने तिलक गम्भीर, गुलाब गम्भीर राजेश गम्भीर जी की परवरिश किन संघर्षो में की है वह किसी से छुपा नही है लेकिन वक्त के साथ उनके तीनों ही पुत्रों ने गम्भीर परिवार और स्व माता जी का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा उन्हें माता जी का बहुत प्यार व आशीर्वाद मिला है जिसे व कभी भुलाया नही सकते। गुँजन सुखीजा, अतुल पांडेय, सहित कई वक्ताओं ने अपने भाव रखते हुए स्व0 माता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्य रूप से राकेश भड्डी बन्टी,तरुण दुबे,राजेश डाबर,रविन्द्र बजाज, डॉ सोनू विश्वास,संतोष गुप्ता,अनिल गगनेजा,मनोज गुम्बर,रोहित सुदामा,वेदराज बजाज, पवन बजाज, अशोक हुड़िया,भीम ठुकराल,चंकित हुड़िया, अतुल पांडेय,सुभाष बेहड़, सतीश मुंजाल,विनोद चुघ,वरयाम चंद, प्रमोद बजाज,अभिषेक वर्मा,पवन बजाज,रविन्द्र वीर सिंह,अशोक गण्डा,राजकुमार भड्डी,अशोक बत्रा,अमित नारंग,विनोद फौगाट, स्नेहपाल जी,सिद्धार्थ भुसरी, कपिल कुमार डिम्पल आहूजा,लवली हुड़िया,विधायक शिव अरोरा, प्रीत ग्रोवर,सुभाष गुम्बर, नरेंद्र ग्रोवर,वेद भगत, दीपक बेहड़, सन्दीप चावला,सतीश चुघ,अंकित हुड़िया सहित सैकड़ों लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

गंगा जी में स्नान से नष्ट होते हैं पाप

गदरपुर(उद संवाददाता)।श्री सनातन धर्म मंदिर बुध बाजार में कार्तिक मास की कथा के 21वें दिवस की कथा करते हुए कथावाचक पंडित विजय कुमार शास्त्री ने कहा कि गंगा के स्मरण मात्र से मनुष्य के अनेक पाप नष्ट हो जाते हैं, तथा गंगा जी में स्नान करने से मनुष्य के पाप नाश होकर कई कुल परमपद को प्राप्त होते हैं, गंगा स्नान की अभिलाषा करने मात्र से मनुष्य अनेक जन्मों के पापों से मुक्त हो जाता है, यह समस्त संसार माया रुपी बंधन से बंधा हुआ है मगर गंगा इस माया रुपी बंधन से काटने वाली है। गोदावरी, यमुना सरयू आदि सब तीरथ गंगा में स्थित है, मां गंगा की उत्पत्ति भगवान के चरणों से हुई है जिसके स्नान एवं स्मरण मात्र से जन्म जमांतर के पाप नष्ट हो जाते हैं। प्रभात फेरी वेद प्रकाश सैनी एवं राकेश गुप्ता के निवास पर गयी। जहां प्रभात फेरी का स्वागत किया गया। प्रसाद की सेवा मनीष गुप्ता एवं श्रीमती रेखा गुप्ता के परिवार द्वारा दी गई।

मांगों को लेकर किया सांकेतिक प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। फेडरेशन आफ मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन के आहवान पर जनपद उधम सिंह नगर में उत्तरांचल मेडिकल एण्ड पब्लिक हैल्थ मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन के समस्त मिनिस्ट्रीयल संवर्ग के कर्मचारियों ने 21 सूत्रीय मांगों को लेकर काला फीता बाधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। सांकेतिक विरोध प्रदर्शन में जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, कैलाखेडा, गदरपुर, किच्छा, सितारगंज, खटीमा व मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय तथा जवाहर लाल नेहरू जिला चिकित्सालय के स्वास्थ्य विभाग के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने काले फीते बाधकर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान एसोसिएशन की जिला अध्यक्ष बन्दना रावत ने कहा कि मांगे पूरी होने तक चरणबद्ध कार्यक्रम के अर्न्तगत आन्दोलन जारी रहेगा। जिला मंत्री रमेश चन्द्र जोशी ने समस्त मिनिस्ट्रीयल संवर्ग के कर्मचारियों से आन्दोलन को सफल बनाने की अपील की। विरोध प्रर्दशन में प्रान्तीय उपाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह बिष्ट, प्रान्तीय कार्यकारिणी सदस्य शंकर गुप्ता एवं अमर सिंह बिष्ट, श्रीमती जानकी शाह, श्रीमती ईन्द्रा ईटवाल, श्रीमती जयन्ती बिष्ट, श्रीमती फहमिना खान, भीम त्रिपाठी, रक्षित बिष्ट, गौरव बधुडी, कमल तिवारी, पंकज गुरूरानी, विजय सिंह राठोर, सुमित सदानन्द, रोशन, बहादुर आदि शामिल थे।

अग्निकांड प्रभावित टेंट व्यवसाई को दी सांत्वना

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। महानगर टैंट व्यापार एसोसिएशन ने कुमाऊँ टैंट के गोदाम में हुए अग्निकांड के प्रभावित व्यवसायी गिरीश हेड़िया को अपनी सांत्वना देने पहुँचे प्रदेश अध्यक्ष दाऊ दयाल अग्रवाल ने अग्निकांड प्रभावित टैंट गोदाम का निरीक्षण किया। उनके साथ प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम लाल पाहवा, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र भट्ट भी उपस्थित रहे। उसके उपरांत गणपति बैंकट हाल में टैंट व्यापारियों के साथ बैठक पर प्रेस वार्ता की। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष दाऊ दयाल ने बताया कि इस दुर्घटना से टैंट व्यापारी समाज दुखी है क्योंकि माल की तो पूर्ति हो सकती है लेकिन जान की नहीं। हम मृतक कर्मचारियों के पीड़ित परिवार के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट करते है।प्रशासन से आग्रह है कि टैंट गोदाम में लगी आग की जाँच निष्पक्ष रूप से संपादित करने की कृपा करें। जिस तरह से कहा जा रहा है कि गोदाम में अग्नि शमन यंत्र नहीं थे लेकिन व्यापारी द्वारा बताया गया है कि आगे ऑफिस में रखे गए है लेकिन बिना जांचे मीडिया को खबर दी जा रही है। जिससे पीड़ित व्यापारी का मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। आग लगने पर पूरा प्रशासन जाग गया क्या इससे पूर्व व्यापारियों के लिए अग्निशमन के लिए कोई कैम्प आयोजित किया गया। केवल व्यापारियों को परेशान करने के लिए टैंट व्यापारियों के प्रतिष्ठानों में जाँच के लिए टीमें भेजी जा रही है।जबकि इस अग्निकांड के बाद से व्यापारियों को जागरूकता के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए। महानगर अध्यक्ष हर्ष वर्द्धन पांडे ने कहा कि व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाना चाहिए। अभी शादियों का सीजन प्रारंभ हुआ है। 1 माह का कुल सीजन है। इसके उपरांत संगठन खुद व्यापारियों की बैठक में अग्निशमन अधिकारियों को बुला कर सभी को सामुहिक एनओसी दिलवायेगा और कैम्प में अधिकारियों से अग्निकांड के समय बचाव कैसे करें का भी प्रशिक्षण दिलवायेगा। किसी व्यापारी को अनावश्यक परेशान किया गया तो उसका पुरजोर विरोध किया जायेगा। बैठक में कुमाऊँ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र पाल सिंह, बैंकट एसोसिएशन अध्यक्ष धीरज पांडे, नगर महामंत्री लक्ष्मण सिंह बिस्ट, उपाध्यक्ष मनोज कपिल कोषाध्यक्ष चंदन साह, प्रचार मंत्री सोनू केसरवानी, संगठन मंत्री दिनेश तिवाड़ी , संरक्षक हरजीत सिंह सच्चर, विमल तौलिया, भगवती प्रसाद जोशी, भुवन जोशी, राजू चौहान, जगदीश जोशी,सहित व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लिए बनाए नोडल अधिकारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिलाधिकारी, ऊधमसिंहनगर की अध्यक्षता में राज्यों में भारत सरकार की प्रमुख लाभार्थीपरक योजनाओं के संतृप्तीकरण हेतु लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुँचाने तक 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम के आयोजन के सम्बन्ध में बैठक में उपस्थित अधिकारियों / कर्मचारियों को विस्तारपूर्वक एवं उद्देश्यों से अवगत कराया गया। अभियान के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों / शहरी क्षेत्रों 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का दिनांक 15 नवम्बर, 2023 से 26 जनवरी, 2024 तक आयोजन किये जाने हैं। कार्यक्रम में उक्त दिनांक तक विभिन्न आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय जन जागरूकरता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उक्त अभियान जनपद ऊधमसिंह नगर में अनुसूचित जनजाति ग्राम पंचायतों में 15 नवम्बर, 2023 से प्रारम्भ किया गया है तथा अन्य ग्राम पंचायतों में दिनांक 23 नवम्बर, 2023 तक आरम्भ कराया जायेगा। जनपद में विकासखण्ड बाजपुर 04 ग्रामपंचायत, गदरपुर में 01 ग्रामपंचायत, खटीमा में 16 ग्रामपंचायत, सितारगंज में 17 ग्रामपंचायत कुल 38 ग्रामपंचायत अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों का चयन किया गया है। उक्त कार्यक्रम में जनपद स्तर पर न्याय पंचायतवार नोडल अधिकारी बनाये गये हैं। जिलाधिकारी द्वारा उक्त के क्रम में अभियान के क्रियान्वयन एवं सफल संचालन हेतु ग्राम पंचायतवार अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में आई०ई०सी० वैन के माध्यम से दिनांक 15 नवम्बर, 2023 से दिनांक 3 दिसम्बर, 2023 तक आयोजित कार्यक्रम का रोस्टरानुसार व्यापक प्रचार-प्रसार एवं विभाग से सम्बन्धित लाभार्थियों को आयोजन स्थल पर लाने उनकी सूची तैयार करने, विभागीय योजनाओं से संतृप्त करने की कार्यवाही के साथ आयोजित बहुउद्देश्यी शिविर में भी प्रतिभाग कराने के साथ ही विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम हेतु जनपद स्तर पर फेसबुक पेज बनाने तथा प्रतिदिन फोटो एवं वीडियो अपलोड एवं आयोजिक कार्यक्रम की सम्पूर्ण गतिविधियों को वेब पोर्टल, मोबाइल एप्प पर अपलोड कराने के निर्देश दिये गये। प्रत्येक नोडल अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए यूट्यूब पर प्रतिदिन का स्पदा बनवाने हेतु भी निर्देशित किया गया।

कमिश्नर ने दिये राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश

कलेक्ट्रेट के विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। मण्डलायुक्त दीपक रावत ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर विभिन्न कार्यालयों का गहनता से निरीक्षण किया। श्री रावत ने जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व, अपर जिलाधिकारी प्राासन/नजूल के कोर्ट में पहुचकर कर कार्ट की पत्रावलियों का बारिकी से निरीक्षण किया जिसमे कोर्ट की पत्रावलियां सुव्यवस्थित व ठीक पायी गयी। निरीक्षण के दौरान उन्होने कहा कि नियमित कोर्ट की सुनवाई करते हुये अधिक से अधिक मुकदमो का निस्तारण किया जाये। सीआरए पटल का निरीक्षण के दौरान राजस्व वसूली व विभिन्न आरसी की पत्रावलियों का निरीक्षण किया जिसमे तहसीलों को प्रेषित की जाने वाली आरसी व खनन विभाग से सम्बन्धित आरसी का मिलान करते हुये राजस्व वसूली को बढ़ाने के निर्देश दिये। मण्डलायुक्त ने कहा कि जो भी पत्र डाक के माध्यम से प्रेषित किया जाता है उसे ई-मेल के माध्यम से अनिवार्य रूप से भी भेजा जाये व तहसीलों से किसी भी प्रकार की रिपोर्ट को ई-मेल के माध्यम से भी मंगाया जाये। खनन विभाग के निरीक्षण के दौरान आरसी से सम्बन्धित रजिस्टर अध्यावधीक न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये उप निदेशक खनन को निर्देश दिये कि सभी पत्रावलियों को अपडेट करते हुये एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होने निर्देशित करते हुये कहा कि जो भी डाक प्राप्त होती है उसे कम्प्यूटर में अपडेट करने के साथ-साथ रजिस्टर में भी अंकन किया जाये ताकि किसी प्रकार की त्रुटि की सम्भावना न रहे। उन्होने खनन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अवैध खनन को रोकने के लिये समय-समय पर राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण करें। उन्होने कहा कि खनन की अनुमति हेतु जो भी आवेदन आते है उन पत्रावलियों को राजस्व विभाग के साथ संयुक्त निरीक्षण कर रिपोर्ट को अपडेट रखा जाये। मण्डलायुक्त ने भूलेख कार्यालय का निरीक्षण के दौरान कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की भूमि का क्रय-विक्रय से सम्बन्धित पत्रावलियों को गहनता से परीक्षण के उपरांत ही अनुमति दी जाये। उन्होने जिलाधिकारी को निर्देश दिये कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की भूमि विक्रय हेतु जो आवेदन आ रहे है उसकी जांच रिपोर्ट जिन उपजिलाधिकारियों द्वारा समय पर नही प्रेषित किया जा रहा है उन उप जिलाधिकारियों का स्पष्टिकरण लेने हुये अवगत कराये। उन्होने कहा कि भूमिधरी से सम्बन्धित जो आवेदन तहसीलो में जाम करता है तो आवेदन जमा करने की तिथि भी पत्रावलियों में अंकित होना चाहिये इसका विशेष ध्यान रखे। मण्डलायुक्त ने कहा कि सरकार की आय व पत्रावलियों सम्बन्धित अन्य कार्य हो ऐसे में रजिस्टर व पत्राचार के माध्यम से सभी चीजे अपडेट होनी चाहिये ताकि हमारे कार्य में भी पारदर्शिता बनी रहे और हमें किसी भी कार्य को करने में अधिक समय न लगे। उन्होने कहा कि जिस तारीख को पत्र प्राप्त होता है उसका भी अंकन रजिस्टर में होना आवश्यक है ताकि कभी भी पता चल सके कि किस तारीख को हमे प्राप्त हुआ है। उक्त के अतिरिक्त मण्डलायुक्त द्वारा विगत वर्ष किये गये निरीक्षण के पायी गयी कमियों के सापेक्ष वर्तमान में अधिकांश प्रकरणों पर संतुष्टि व्यक्त करते हुये सफाई कार्य प्रणाली एवं समस्त पटलों की पत्रावलियों के रख रखाव को सराहा गया। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने जनता से बातचीत की और उनकी समस्याएं जानी। जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने अवगत कराया कि विभिन्न न्यायालयों में जो भी प्रकरण विचाराधीन/गतिमान / निस्तारित किये जा रहे है उन्हे ससमय जन सूविधा हेतु पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। उन्होने कहा कि निरीक्षण के दौरान जो भी दिशा-निर्देश एवं सुझाव दिये गये है उन्हे अक्षरस: अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी, जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, गौरव पाण्डेय, कौष्तुभ मिश्र, ओसी डा0 अमृता शर्मा, उप निदेशक खनन दिनेश कुमार, तहसीलदार दिनेश कुटोला आदि उपस्थित थे।

सचिवालय में मिलेट बेकरी आउटलेट का सीएम ने किया उद्घाटन

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय परिसर मे राज्य के मोटे अनाजों पर आधारित उत्पादों को बढ़ावा देने और महिला स्वयं सहायता समूहों की आजीविका में वृद्धि करने के उद्देश्य से शुरू की गयी मिलेट बेकरी आउटलेट का उद्घाटन किया। मिलेट बेकरी में मंडुआ तथा झंगोरा के प्रसंस्करण कर बिस्किट, ब्रेड तथा पिज्जा बेस व अन्य उत्पाद तैयार किये जा रहे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के अन्तर्गत स्थानीय मोटे अनाजों के उत्पादन और उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य में अनेक कार्यक्रम किये जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि राज्य के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इस दौरान कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव श्रीमती राधिका झा एवं ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदेश में बन रही सड़कों और पुलों का निर्माण कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करें

देहरादून। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने गुरूवार को सचिवालय में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत प्रदेश में बन रही सड़कों और पुलों की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों को जोड़ने के लिए बनायी जा रही यह सड़कें बहुत ही महत्त्वपूर्ण है।उन्होंने इन सड़कों का कार्य पूरा करने के लिए जिलाधिकारी एवं डीएफओ को उच्च प्राथमिकता पर लेकर इन सड़कों का निर्माण पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने मुख्य अभियंता एवं अन्य उच्चाधिकारियों को मौके पर जाकर समस्याओं के निस्तारण के निर्देश भी दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी जिलाधिकारी एवं डीएफओ लगातार बैठकें आयोजित कर योजनाओं के पूर्ण होने में आ रही समस्याओं को निस्तारित कर कार्य पूरा कराएं। उन्होंने कहा कि कम समय में अधिक कार्य पूरा करने के लिए 2 या 3 शिफ्ट में कार्य पूरा कराया जा सके इसकी संभावनाएं भी तलाशी जाएं।मुख्य सचिव ने कहा कि उच्च प्राथमिकता के कार्यों को रूटीन कार्यों की भांति न कर प्रतिदिन उसके लिए समय निकालने की आवश्यकता है। प्रतिदिन श्रमिकों एवं मशीनों की संख्या की जानकारी लेकर आवश्यकता अनुसार श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर इसकी रिपोर्ट मांगी जाए। इस अवसर पर सचिव श्रीमती राधिका झा सहित सम्बन्धित विभाग के अन्य अधिकारी एवं जनपदों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

फेक न्यूज और फैक्ट न्यूज में अंतर रखने की आवश्यकता

चम्पावत(उद संवाददाता)। पत्रकारिता के ऊंचे आदर्श स्थापित करने व प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने के उद्देश्य से 4 जुलाई 1966 को भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की गई थी। लेकिन इस परिषद ने 16 नवंबर 1966 से विधिवत तरीके से काम करना शुरू किया था। यह दिन एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिला सूचना कार्यालय सभागार में वरिष्ठ पत्रकार गणेश दत्त पांडेय की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रेस डे 2023 के विषय कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में मीडिया के रूप में गोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर सभी सम्मानित पत्रकारों द्वारा कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में मीडिया विषय पर चर्चा की गई व अपने विचार प्रस्तुत किये गए। जिला सूचना अधिकारी गिरिजा शंकर जोशी ने गोष्ठि में उपस्थित सभी पत्रकार बंधुओं का स्वागत करते हुए अपने विचार रखते हुए कहा कि मशीनों के इस युग मे मशीनों द्वारा ही कार्य हो रहा है। एक ओर जहां यह लाभदायक है तो एक ओर यह नुकसानदायक भी हैं। आज के समय मे हम हर प्रकार से इस पर निर्भर होते जा रहे हैं। दुनिया भर के विभिन्न मीडियासंस्थानों और समाचार एजेंसियों में अब कंप्यूटर का एक खास उपयोग हो रहा है। खेल, मौसम, कॉरपोरेट कंपनियों के प्रदर्शन जैसे विषयों को कंप्यूटर के भरोसे छोड़ दिया गया है। हैरानी की बात है कि कई मामलों में पत्रकारों की अपेक्षा कंप्यूटर का काम अधिक व्यापक होता दिख रहा है। कई बार एक पत्रकार की खबर किसी एकल-स्रोत पर आधारित होती है। जबकि कंप्यूटर सॉफ्टवेयर विभिन्न स्रोतों से डेटा आयात करके खबरों को प्रस्तुत कर रहा हैं। पत्रकार हरीश पांडेय ने कहा कि कृतिम मेधा से जो लेख प्रकाशित हो रहे हैं उनमें सच्चाई से अधिक फर्जी खबरें भी हैं। पत्रकार गिरीश बिष्ट ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रिपोर्टर रखा गया है जो राष्ट्रीय चेनल में खबरें बताता हैं। इसके अतिरिक्त सन्तोष जोशी,सूरी पंत, बीसी जोशी, दिनेश चंद्र पांडेय ने उक्त विषय पर अपने अपने विचार रखें। रितिक भण्डारी ने कहा कि आईटी के इस दौर में पत्रकारों ले लिए जिम्मेदारी बढ़ गयी हैं। हमे बढ़ती फर्जी खबरों को पहचानना होगा। पत्रकार चंद्रशेखर जोशी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया उद्योग एआई से बहुत प्रभावित हुआ है, चाहे वह समाचार, फिल्में, संगीत, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से सूचना का प्रसार हो। मेटाडेटा की टैगिंग ने पत्रकारिता को डेटा-संचालित और प्रभावी बना दिया है, हमें फेक न्यूज और फैक्ट न्यूज में अंतर रखने की आवश्यकता हैं। गोष्ठि की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार गणेश दत्त पांडेय ने उक्त विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संभावित दुरुपयोग या अनपेक्षित परिणामों के बारे में चिंताओं ने मानकों की जांच और विकास के प्रयासों को प्रेरित किया है। साथ ही पत्रकारिता को भी प्रभावित किया हैं। परंतु सभी पत्रकारों को अपने कार्य (पत्रकारिता)का दोहन करते रहना चाहिए। गोष्ठि का संचालन सतीश चंद्र जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनपद मुख्यालय के पत्रकार उपस्थित रहे।

पुलिस ने चंदन तस्कर को किया गिरफ्तार

बेसकीमती चंदन की लकड़ी भी बरामद हुई, पूर्व में जा चुका है जेल

गदरपुर(उद संवाददाता)। दिनेशपुर क्षेत्र में खैर तस्करी के बाद अब चंदन की तस्करी की घटनाएं भी सामने आ रही हैं वहीं पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक चंदन तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से एक लाख की बेसकीमती चंदन की लकड़ी भी बरामद हुई। फिलहाल उक्त तस्कर के अन्य सहयोगियों के बारे में सुराग लगाया जा रहा है। बताते हैं कि दिनेशपुर के वार्ड नंबर 9 निवासी विमल राय के यहां चंदन का पुराना पेड़ लगा था। थानाध्यक्ष अनिल उपाध्याय ने बताया 11 नवंबर को अज्ञात चोरों के द्वारा एक चंदन का पेड़ काटकर ले गए। बताया कि पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। मामले की खुलासा के लिए उप निरीक्षक संतोष उप्रेती के नेतृत्व में टीम गठित कर जाचं मे जुट गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अंधुवा नदी के पास से संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर तलाशी ली गई। उनके पास से लोहे की आरी समेत विभिन्न पेड़ काटने के उपकरण बरामद हुए। शक्ति से पूछताछ करने पर अपना नाम सूरज फॉर्म उत्तर प्रदेश निवासी कमल ढाली बतया। दीपावली से पूर्व चंदन की पेड़ चोरी करने की बात भी स्वीकार की है। बताया कि इस मामले में दिनेशपुर प्लांटेशन निवासी विजय के साथ मिलकर चोरी की घटना का अंजाम दिया गया था। इसमें से एक गिल्टे विजय ले गए। और दूसरा हिस्सा 42 इंच की लंबाई तथा 6.3 इंच की गोलाई 40 किलो की बजनी उक्त आरोपी के पास से बरामद हुआ। पुलिस ने उक्त आरोपी कमल ढाली के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। वही उसके दूसरे साथी विजय की तलाश के लिए पुलिस उनके घर दविश दी गई लेकिन वहां फरार है। वहीं थाना अध्यक्ष ने बताया की 2 साल पूर्व हल्द्वानी के जंगल से चंदन का पेड़ चोरी हुई थी जिसमें उक्त आरोपी जेल से कुछ दिन पूर्व जमानत पर रिहा होकर आए हैं।

धोनी ने किया गांव की शांत वादियों का भ्रमण, जंगलों में घूमे

नाटाडोल गांव के होम स्टे में रुके हुए हैं माही, साक्षी और बेटी जीवा

नैनीताल। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी गुरुवार को अल्मोड़ा जिले के नाटाडोल गांव में पहुंचकर सैम मंदिर में पूजा अर्चना की। मंदिर दर्शन के बाद धोनी पैदल ही ग्रामीणों के साथ गांव का भ्रमण किया। धोनी ने ग्रामीणों से मुलाकात कर वार्ता की। गांव के राजू बेलवाल ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी ने गुरुवार को गांव का भ्रमण किया। उन्होंने ग्रामीणों से वार्ता में उत्तराखंड के युवाओं और बच्चों के लिए रोजगारपरक पहल शुरू करने की बात कहीं। साथ ही धोनी ने कहा कि गांव में बच्चे नजर नहीं आ रहे हैं। एक घंटे गांव के रहने के बाद धोनी वापस लौट गए। धोनी के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनके साथ सेल्फी खिंचने के साथ दोबारा गांव आने को कहा। ग्रामीणों ने बताया कि धोनी अपनी पत्नी, बेटी और दोस्तों के साथ क्षेत्र के ही एक निजी होम स्टे में रुके हुए हैं। लेकिन उनसे मिलने की अनुमति नहीं मिल पा रही है।

अल्मोड़ा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ उनकी पत्नी और बेटी भी हैं। माही अब कॉटेज में अपने परिवार के साथ कॉटेज में ठहरे हैं और पहाड़ों की खूबसूरती में समय बिता रहे हैं। कुमाऊं भ्रमण पर पहुंचे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पहाड़ की शांत वादियों में आराम कर रहे हैं। दूसरे दिन अल्मोड़ा-देवीधुरा मार्ग पर शहरफाटक क्षेत्र के नाटाडोल गांव के कॉटेज में ठहरे माही बगीचे व जंगल में भ्रमण के साथ ही मंदिर में पूजा कर पहाड़ का आनंद ले रहे हैं। माही पत्नी साक्षी व बेटी संग मंगलवार को नैनीताल और बुधवार को अपने पैतृक गांव ल्वाली (जैंती) पहुंचे थे। बुधवार को ल्वाली से लौटने के बाद वह लमगड़ा ब्लाक के अंतर्गत नाटाडोल गांव के कॉटेज में आ गए। गुरुवार सुबह उन्होंने गुनगुनी धूप के बीच हिमालय की चोटियों का दीदार किया। सेब, नाशपाती, पुलम व खुबानी के बगीचे से घिरे एकांत कॉटेज में दिन भर आराम किया और दोपहर बाद निकल पड़े गांव के मध्य स्थित शैम देवता के मंदिर पहुंचकर यहां पूजा अर्चना के बाद जंगल भी घूमे। गांव पहुंचने पर पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पुरानी यादें ताजा हो गई। खेती-बाड़ी कर आजीविका चलाने वाले परिवार से निकले पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को गांव में सिंचाई की नहर सूखी दिखाई दी। उन्होंने ग्रामीणों से पूछा कि इसमें पानी नहीं आता। दो दशक पूर्व जब धोनी गांव आए थे, तो नहर में पानी भरकर चलता था। नहर से ल्वाली के साथ ही बसगांव, मिरई, भाबू चार गांव लाभांवित होते थे, लेकिन अब यह नहर पिछले करीब छह वर्षों से सूखी पड़ी है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में आजीविका का कोई साधन नहीं है। अधिकतर लोग पलायन कर चुके हैं, जबकि बचे लोग एकमात्र काश्तकारी पर ही निर्भर हैं। ऐसे में नहर सूखने से दिक्कत बढ़ गई है। खेती भी प्रभावित है।

बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मेडिकल कालेज के प्रचार्य को घेरा

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व दर्जामंत्री बिट्टू कर्नाटक ने अल्मोड़ा मेडिकल कालेज की लचर स्वास्थ्य सेवाओं के विरोध में मेडिकल कालेज के प्राचार्य का सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ घेराव किया। उन्होंने कहा कि प्रसूति विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं के प्रसव में की जा रही हील हवाली अब बर्दाश्त से बाहर है।मेडिकल कालेज प्रारम्भ होने के बाद भी यहां से गर्भवती महिलाओं को हल्द्वानी रेफर किया जा रहा है जो स्पष्ट तौर पर मेडिकल कालेज और खासकर मेडिकल कालेज के प्रसूति विभाग की लापरवाही का नतीजा है और प्रदेश सरकार के मुंह पर भी करारा तमाचा है उन्होंने कहा कि विगत दो माह पूर्व टाटिक में हुई कार दुर्घटना के गंभीर रूप से घायल बच्चों को हल्द्वानी ले जाने के लिए भी मेडिकल कालेज के पास साबुत एम्बुलेंस नहीं थी।जो एम्बुलेंस घंटों बाद आयी भी उसे धक्का लगाकर स्टार्ट करना पड़ा। उन्होंने कहा कि विगत दिवस ग्राम अधार मटेला की इंदु मनराल पत्नी महेन्द्र सिंह मनराल को प्रसव के लिए अल्मोड़ा लाया जा रहा था। परन्तु मेडिकल कालेज प्रशासन की अनदेखी पर वहां के ग्राम प्रधान गौरव काण्डपाल ने उन्हें फोन किया जिसपर तत्काल विभाग की चिकित्सक से भी बात की जिनका व्यवहार एकदम खराब था।जब इन्दु नाम की गर्भवती महिला प्रसव कराने मेडिकल कालेज पहुंची जहां के प्रसूति विभाग ने लापरवाही का स्पष्ट उदाहरण देते हुए महिला को हल्द्वानी रेफर कर दिया। मेडिकल कालेज की जिस एम्बुलेंस में महिला को ले जाया गया वो एम्बुलेंस अल्मोड़ा की सीमा तक पार ना कर पाई और होटल मैनेजमेंट के पास बन्द हो गयी। कर्नाटक ने बताया कि उनके द्वारा जब मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य और मुख्य चिकित्साधिकारी को इसकी सूचना देकर अविलम्ब मेडिकल कालेज में महिला का प्रसव कराने की मांग की गयी तो आनन फानन में मेडिकल कालेज द्वारा मेडिकल कालेज में ही महिला का प्रसव कराना पड़ा।जो अपने आप में सोचनीय विषय है। उन्होंने कहा कि इससे मेडिकल कालेज के प्रसूति विभाग की स्पष्ट पोल खुलती हैं कि प्रसूति विभाग काम करना है नहीं चाहता और सीधे महिलाओं को अन्यत्र रेफर कर रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कालेज में जीवनदायिनी एम्बुलेंस तक नहीं हैं जो कभी भी किसी गंभीर परिस्थिति में अल्मोड़ा की जनता के लिए मौत का सबब बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और जनप्रतिनिधि खामोश हैं जिसका खामियाजा अल्मोड़ा की जनता भुगत रही है। स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अल्मोड़ा की जनता को छलने का काम किया जा रहा हैजब मेडिकल कालेज जैसी संस्था में एक साबुत एम्बुलेंस तक नहीं हैं तो खुद अन्दाजा लगाया जा सकता है कि यहां कि स्वास्थ्य सुविधाएं क्या होंगी? उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर भी मेडिकल कालेज में स्वास्थ्य सुविधाएं दुरूस्त करने की मांग की।ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने मांग की कि मेडिकल कालेज में आप्रेशन थियेटर पूरी तरह प्रारम्भ हो,न्यूरो सर्जन,हृदय विशेषज्ञ, विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती हो मेडिकल कालेज में एक दर्जन एम्बुलेंस की व्यवस्था की जाए।गम्भीर रोगियों को एयर लिफ्ट कराने की व्यवस्था की जाए, मेडिकल कालेज में प्रशिक्षित कर्मचारियों की नियुक्ति के साथ ही ब्लड बैंक संचालित किया जाए तथा 108 सेवा का पुनर्गठन कर आधुनिक सुविधाओं से उन्हें सुज्जजित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि अल्मोड़ा की जनता के हित में अविलंब उपरोक्त मांगों को पूरा नहीं किया गया तो उन्हें एक वृहद आन्दोलन को बाध्य होना पड़ेगा।इस अवसर पर उनके साथ वरिष्ठ कांग्रेसी देवेन्द्र प्रसाद कर्नाटक,हाजी नूर अकरम खान,रोहित शैली,हेम जोशी, गौरव कांडपाल,अशोक सिंह,पंकज सिंह राना,रोहन सिंह,सोनू चौहान,विनय चन्दोला, त्रिभुवन महर,सुमित मेहता, नन्दन सिंह, कैलाश चंद्र,जे सी जोशी,सुधीर कुमार, हिमांशु बिष्ट, राकेश बिष्ट, भूपेन्द्र भोज, हिमांशु कनवाल, राहुल कनवाल,सोनू चौहान, पंकज पाण्डे सहित सैकड़ों कांग्रेसजन और आम जनता उपस्थित रही।

नानकमत्ता के दीपावली मेले में उमड़ी भारी भीड़

दक्षिण भारतीय व्यंजनों का लुफ्त उठा रहे हैं लोग,बाउली साहिब के दर्शन को पहुंच रही संगत

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। नानकमत्ता में चल रहे दीपावली मेले में स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों लोगों ने गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब पहुंचकर मत्था टेककर सुख स्मृद्धि की कामना की। यूपी के निटवर्ती जनपदों से भी संगत नानकमत्ता मेले में पहुंची। गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब में दर्शन के बाद दीपावली मेले में लगे झूलों, मौत का कुआं का लुफ्त उठाया। गुरूवार को हजारों संगत ने पवित्र सरोवर में स्नान कर हरिमंदिर साहबि में मत्था टेका। पंजा साहिब की परिक्रमा की। इस दौरान लम्बी कतारें लगी रही। गुरुद्वारा परिसर में धार्मिक अजायबघर के दर्शन किये। यहां गुरुओं के बलिदान का इतिहास जाना। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी की ओर से दिन-रात अटूट लंगर की व्यवस्था की गयी है। दूर दराज से पहुंच रही संगत के ठहरने के लिए प्रबंध किये गये हैं। भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्थित ढंग से दर्शन के लिए गुरुद्वारा साहिब परिसर, पंजा साहिब, धार्मिक अजायब घर, अमृत सरोवर, लंगर हाल में सेवादार तैनात किये गये हैं। यहां गुरुद्वारा प्रबंध मेटी के सचिव हरभजन सिंह, डायरेक्टर गुरवंत सिंह, कुलदीप सिंह पन्नू, प्रभारी प्रबंधक सुखवंत सिंह भुल्लर, रनजीत सिंह राणा, बलदेव सिंह चीमा मौजूद रहे। मेला स्थल पर खान-पान की दुकानें सजी है। जलेबी, टिक्की, बताशे, पकौड़ियों के अलावा चाइनीज फूड, दक्षिण भारतीय व्यंजन, राजस्थानी, पंजाबी डिश के स्टॉल लगे हैं। यहां स्टॉलों में दिन-रात भीड़ लगी है। झूले, घुमावदार ट्रेन,जादू बच्चों को भा रहे हैं। यहां दूध वाला कुंआ का विशेष महत्व है। संगत यहां पहुंचकर मत्था टेककर सुख, स्मृद्धि की कामना कर रही है। संगत कुएं जल भरकर घरों को ले जा रही है। दूध वाला कुआं के समीप सच्चखण्ड भवन का निर्माण कराया है। यहां हजारों संगत पहुंच रही है। डेरा कार सेवा में भी संगत पहुंचकर संतों से आशीर्वाद ले रही है। यहां दिन-रात अटूट लंगर बरत रहा है। संगत गुरुद्वारा साहिब से एक किमी दूर बाऊली साहिब में भी दर्शनों को पहुंच रही है। कहा जाता है कि सिद्धों ने गुरुद्वारा साहिब को पानी नहीं दिया। गुरु साहिब ने भाई मरदाना को इस स्थान से उत्तर की ओर जाकर पानी लाने को कहा। भाई मरदाना उत्तर की ओर चले गये। जिस स्थान से पानी लाये उसे फौड़ी साहिब के नाम से जाना जाता है। इस स्थान पर एक सुंदर बाउली का निर्माण कराया गया है। जो कामन नदी और देवहा नदी के संगम पर स्थित है। इस स्थान को बाऊली साहिब कहा जाता है।

उत्तरांचल दर्पण
सम्पादकीय सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

रेल गाड़ियों में आग

तमाम कोशिशों के बावजूद सुरक्षित सफर सुनिश्चित करा पाना रेलवे के लिए कठिन काम बना हुआ है। कभी कोई गाड़ी पटरी से उतर जाती है, तो कभी दो गाड़ियां आपस में टकरा जाती हैं। हालांकि दावा किया जाता है कि गाड़ियों में टक्कररोधी उपकरण लगाने और कंप्यूटरीकृत यातायात संचालन व्यवस्था होने के बाद से हादसों में कमी आई है।मगर बीते छह महीनों पर नजर डालें तो कई बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की जान चली गई और सैकड़ों घायल हुए। अभी बारह घंटे के भीतर दो गाड़ियों में आग लगने की घटनाएं उसी सिलसिले में जुड़ गई हैं। गत दिनों एक तेज रफ्तार गाड़ी दिल्ली से दरभंगा के लिए रवाना हुई थी। उत्तर प्रदेश के इटावा पहुंचते ही उसके तीन डिब्बों में आग लग गई।गनीमत थी कि गाड़ी अभी स्टेशन से रवाना ही हुई थी और कर्मचारियों ने उसमें से धुआं उठता देखा और रुकवा लिया। इस तरह कोई बड़ा हादसा होने से बच गया। मगर वहीं दूसरी गाड़ी में आग लगने से उन्नीस लोग घायल हो गए। आग लगने की वजह से वे चलती गाड़ी से कूदने और भागने लगे थे। दूसरी गाड़ी भी दिल्ली से बिहार के वैशाली जा रही थी।रेल गाड़ियों में आग लगने की बड़ी वजह उनमें लगे खराब गुणवत्ता वाले तार और उन्हें जोड़ने आदि में बरती गई लापरवाही होती है। गरम होकर जब दो तार आपस में चिपक जाते हैं, तो चिनगारी फूटने लगती है। दोनों घटनाएं रात के वक्त हुईं, जब ज्यादातर मुसाफिर सो रहे थे। जब भी तारों के चिपक कर जल उठने की घटना होती है, तो उसकी आहट पूरे डिब्बे में आग के फैलने से पहले मिल जाती है। जाहिर है, इन दोनों घटनाओं के वक्त भी तारों के जलने की बदबू डिब्बे में फैली होगी। मगर समय रहते किसी तकनीकी सहयोगी ने उस पर काबू पाने की कोशिश नहीं की, इसलिए आग फैली। ज्यादा संभव है कि उन गाड़ियों में कोई तकनीकी सहयोगी रहा ही न हो। आमतौर पर डिब्बों में जो सहायक तैनात किए जाते हैं, वही बिजली आदि से संबंधित गड़बड़ियों को सुधारने या सुधरवाने की जिम्मेदारी उठाते हैं।मगर जिन दोनों गाड़ियों में आग लगी, वे विशेष गाड़ियां थीं, जो छठ के मद्देनजर चलाई गई थीं। फिर उनके जिन डिब्बों में आग लगी वे सामान्य शयनयान थे। इसलिए जाहिर है, उनमें भीड़ भी कुछ अधिक रही होगी और उनमें सहायकों की तैनाती उस तरह नहीं की गई होगी, जैसे दूसरी गाड़ियों के विशेष वातानुकूलित डिब्बों में की जाती है।दरअसल, त्योहारों के मौकों पर विशेष गाड़ियां चला कर रेलवे यात्रियों के दबाव को कम करने की कोशिश तो करता है, मगर वह उनमें वैसी सेवाएं नहीं दे पाता जैसी दूसरी गाड़ियों में होती हैं। ऐसी गाड़ियों में लगे ज्यादातर डिब्बे प्राय: नियमित उपयोग के अतिरिक्त सुधार के लिए आए या सुधार कर रखे गए होते हैं। उन्हें इंजन के साथ जोड़ कर पटरियों पर दौड़ा तो दिया जाता है, मगर इस बात का गंभीरता से ध्यान नहीं रखा जाता कि आखिर वे लंबी दूरी का सफर तय करने के लिए सुरक्षित हैं भी या नहीं। फिर, अनेक बार घोषणाओं के बावजूद अभी तक रेल गाड़ियों और उनके डिब्बों को किसी केंद्रीकृत सुरक्षा प्रणाली से जोड़ने में कामयाबी नहीं मिल पाई है। ऐसेहादसों के वक्त चालक तक चेतावनी पहुंचाने की व्यवस्था भी नहीं होती। ऐसे लापरवाह रवैए के साथ रेलवे कहां तक सुरक्षित सफर का भरोसा दिला सकता है।

निकायों में प्रशासक तैनात करने का प्रस्ताव शासन को भेजा

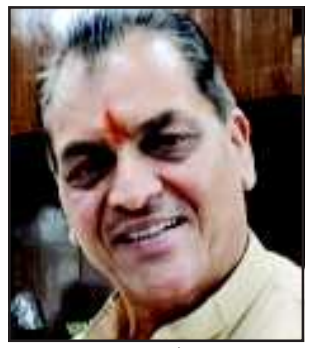

देहरादून। उत्तराखंड में नगर निकायों के चुनाव अभी नहीं होंगे। एक दिसंबर को निकायों का कार्यकाल समाप्त होते ही सरकार इनमें प्रशासक तैनात कर देगी। शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने इसकी पुष्टि की है। प्रदेश में करीब 84 नगर निकाय के बोर्ड का कार्यकाल एक दिसंबर को पूरा हो जाएगा। कायदे से

नए बोर्ड के चुनाव के लिए अभी तक प्रक्रिया आरंभ हो जानी चाहिए थी। लेकिन अभी निकायों में ओबीसी आरक्षण तय करने के लिए गठित एकल आयोग भी अपना सर्वे पूरा नहीं कर पाया है। इसके अलावा राज्य निर्वाचन आयोग ने भी निकायों के चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने के लिए कार्यक्रम तैयार किया है। बकौल अग्रवाल इन दोनों प्रक्रियाओं के गतिमान होने की वजह से तय समय पर चुनाव कराना मुमकिन नहीं है। जानकारों का मानना है कि अब निकाय चुनाव अगले वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद ही हो पाएंगे। इस बीच शहरी विकास निदेशालय ने भी शासन को दो दिसंबर से छह महीने के लिए निकायों में प्रशासक तैनात करने का प्रस्ताव भेज दिया है। निदेशालय ने एकल आयोग की सिफारिशें प्राप्त न होने और निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव के लिए मतदाता सूची बनाने की प्रक्रिया शुरू करने को आधार बनाया है।

चोरी की घटनाओं का खुलासा करने में पुलिस हो रही नाकाम

नानकमत्ता(उद संवाददाता)। नगर में हुई बड़ी चोरी की घटनाओं का खुलासा करने में पुलिस नाकाम साबित होती दिखाई दे रही है। जिसके चलते लोगों में पुलिस प्रति रोष पनपता दिखाई दे रहा है। नगर के दहला रोड पर मुकेश रस्तोगी पुत्र शांति स्वरूप रस्तोगी के घर में घुसकर अलमारी का लाक तोड़कर अलमारी में रखे लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। वार्ड 6 निवासी अशोक कुमार चौहान पुत्र रामउग्रह चौहान के घर में घुसकर अलमारी का लॉक खोलकर अलमारी में रखे चार लाख रुपए के सोने चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। पुलिस एक भी चोरी का खुलासा नहीं कर पाई। पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा किए जा रहे सुरक्षा के दावे भी फेल होते नजर आ रहे हैं। खुलासे के नाम पर सिर्फ घटनास्थल का निरीक्षण और पीड़ित को आश्वासन ही हाथ लगता है। कई दिन बीत चुके हैं मगर पुलिस चोर का पता नहीं लग पा रही है न ही वारदात पर रोक लगा पा रहीं हैं। चोरी का पता लगाने के लिए पीड़ित थाने थाने भटक रहे हैं। खुलासा करना तो दूर सुराग तक नहीं लगा पाई पुलिस। उम्मीद थी कि पुलिस इनके खुलासे में जी जान लगा देगी वारदातों में एक भी खुलासा तो दूर ठोस सुराग तक नहीं लगा पाई है। लोगों की मानें तो पुलिस रात्रि गश्त में लापरवाही बरत रही है। जब भी वारदात होती तो पुलिस व्यापारियों को नसीहत देती है सीसीटीवी लगवा लो चौकीदार रख लो अपनी खुफिया तंत्र और गश्त को सख्त करने का प्रयास नहीं करती।

अवैध संबंधों के चलते पति ने ही की थी पत्नी की हत्या

हरिद्वार। हत्याकांड के मामले का खुलासा करते हुए एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बताया कि नौ नवंबर को चंडी देवी पैदल मार्ग के पास जंगल में एक महिला का शव मिला था। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। जांच की गई तो श्यामपुर पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले। सीसीटीवी में देखा गया की महिला एक व्यक्ति के साथ सिडकुल की तरफ से आती हुई दिख रही है।सिडकुल पहुंचने पर पुलिस ने पूछताछ की तो सामने आया कि दोनों साथ में ही रहते थे और सिडकुल की फैक्टरी में काम करते थे। घटना के बाद ब्ब्ज्ट में दिख रहा व्यक्ति (अजय निवासी बदायूं) कहीं चला गया। सीसीटीवी से लीड मिलने के बाद टीम बदायूं पहुंची। जहां जांच में पता लगा कि आरोपी अजय 15 नवंबर को हरिद्वार

आया था। पुलिस ने अजय को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में उसने बताया कि वो और पूजा (मृतक) काफी समय तक रिलेशनशिप में रहे और फिर दोनों ने शादी कर ली थी। एसएसपी ने बताया कि दोनों का अक्सर झगड़ा होता था। क्योंकि बीच में पूजा किसी अन्य युवक के साथ रहने लगी थी। हालांकि अजय पूजा को मनाकर अपने साथ वापस ले आया था। लेकिन दोनों के बीच विवाद खत्म नहीं हुए। जिस वजह से उसने अपनी पत्नी को जंगल में ले जाकर चुन्नी से उसका गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

मिस्टर एंड मिस आईकॉनिक फ्यूचर कॉन्टेस्ट के ऑडिशन 19 नवंबर को

देहरादून(उद संवाददाता)। बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स की ओर से एक मॉडलिंग एवं डांस कॉन्टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है जिसके ऑडिशन 19 नवंबर को होना तय किया गया है।जानकारी देते हुए आयोजक गुरचरण लाल सडाना एवं जुल्फिकार टाइगर ने बताया कि बेस्ट पर्सनैलिटी अचीवर अवार्ड एवं मिस्टर एंड मिस आईकॉनिक फ्यूचर कॉन्टैक्ट सीजन 2 का आयोजन बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स की ओर से किया जा रहा है, इस दौरान एक डांस कॉन्टैक्ट भी कराया जाएगा। इसके लिए ऑडिशन आयोजित किए गए हैं ऑडिशन 19 नवंबर को बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल आफ आर्ट्स चूना भट्टा अधोईवाला रायपुर रोड देहरादून में होंगे।ऑडिशन फ्री है,जिसका ग्रैंड फिनाले 16 दिसंबर को होना निश्चित है । उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रैंड फिनाले के लिए आशिकी फिल्म से राहुल रॉय जी का आना भी निश्चित किया गया है। गुरचरण लाल सडाना एवं जुल्फिकार टाइगर ने कहा कि उत्तराखंड में टैलेंट की कमी नहीं है लेकिन यहां पर युवाओं को सही प्लेटफॉर्म नहीं मिलता जिस वजह से वह गुमराह होकर अपना भविष्य खतरे में डाल रहे हैं । ऐसे में उनको एक सही प्लेटफॉर्म देना बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स ने अपना उद्देश्य बना लिया है। यहां पर न सिर्फ उनको एक सही प्लेटफॉर्म दिया जाएगा वही उनको बॉलीवुड कि फिल्मो - शॉर्ट फिल्म डाक्यूमेंट्री फिल्म आदि में चांस भी दिलाया जाएगा। इस तरह के उनके कई प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं जिसमें वे लोकल टैलेंट को प्रमोट करने का काम कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवाएं नहीं सुधरने पर प्रभारी मंत्री का होगा घेराव: मनोज तिवारी

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। मेडिकल कॉलेज की बदहाल स्वास्थ्य सेवा पर विधायक मनोज तिवारी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बयान में कहा

कि अल्मोड़ा की बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के लिए विगत एक वर्ष से भी ज्यादा समय से वह लगातार मुख्यमंत्री एंव जनपद के प्रभारी मंत्री स्वास्थ्य मंत्री से मांग कर चुके है। साथ ही साथ विधानसभा के भीतर भी प्रश्नों के माध्यम से बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने की आवाज उठा चुके है। लेकिन प्रदेश की धामी सरकार की उदासीनता से आये दिन पर्वतीय क्षेत्र के मरीजों एंव उनके पारिवारिकजनों को बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं से लगातार जूझना पड़ रहा हैं। जो कि बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। विगत दिवस हवालबाग के धामस क्षेत्र की गर्भवती महिला के सामान्य प्रसव के लिए उन्हें स्वयं मेडिकल कॉलेज प्रशासन को दूरभाष पर हस्तक्षेप करना पड़ा हैं। जो कि बेहद गम्भीर विषय है। अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज से अल्मोड़ा ही नहीं पर्वतीय क्षेत्र के चारों जनपदों की जनता को काफी उम्मीद थी। लेकिन प्रदेश सरकार की लापरवाही के साथसाथ जनपद के प्रभारी मंत्री एंव स्वयं जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री होने के बाद भी अनेक बार गुहार लगाने के बाद भी मेडिकल कॉलेज की स्वास्थ्य सेवा में सुधार होने के बजाय मेडिकल कॉलेज को रिफर सेन्टर बना देना बड़े शर्म की बात हैं। उन्होंने स्पष्ट तैर पर कह दिया हैं कि अगर एक महीने के भीतर मेडिकल कॉलेज सहित जिला हॉस्पिटल एंव महिला हास्पिटल में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने के लिए स्वास्थ्य विभाग एंव प्रदेश सरकार द्वारा कड़े कदम नहीं उठाये तो वह स्वयं जनपद के प्रभारी मंत्री एंव स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत का घेराव करके विरोध प्रदर्शन को बाध्य होंगे । श्री तिवारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बार-बार मेडिकल कॉलेज के प्रशासन को बहानेबाजी करने से बाज आना चाहिए उन्होंने मेडिकल कॉलेज में तैनात एम्बुलेंसों पर सी एम ओ डा. आर सी पन्त से शीघ्र निर्णय लेकर बार- बार एम्बुलेंसों की खराब होने की घटना की जाँच करने के निर्देश दिये हैं।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर गोष्ठी आयोजित

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर जिला सूचना कार्यालय अल्मोड़ा द्वारा प्रेस गोष्ठी का आयोजन जीबी पंत राजकीय संग्रहालय स्थित सभागार में किया गया। प्रेस गोष्ठी में प्रेस प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया और इस वर्ष भारतीय प्रेस परिषद के सुझाव विषय कृत्रिम मेधा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में मीडिया पर चर्चा की और अपने-अपने विचार साझा किये। इस दौरान वक्ताओं ने पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप व उनकी चुनौतियों के सम्बन्ध में भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में मीडिया का महत्वपूर्ण स्थान है तथा राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में मीडिया ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। गोष्ठी में वर्तमान में मीडिया के क्षेत्र में आ रहे बदलावों के सम्बन्ध में भी वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुये कहा कि हमें आज के दौर में मीडिया के क्षेत्र में जो नई-नई तकनीकों को हमें उन्हें अपनाना चाहिये। उपस्थित पत्रकारों ने कृत्रिम मेधा के मीडिया होने वाले प्रयोगों एवं उससे होने वाले लाभ आदि पर चर्चा की। वहीं पत्रकारों ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रेस का काम आम नागरिकों के मुद्दों को सामने लाना एवं शासन-प्रशासन से उस पर कार्यवाही की जिम्मेदारी है। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश पाण्डे, सुरेश तिवारी, राजेन्द्र रावत, हयात सिंह रावत, जगदीश चन्द्र जोशी, दयाकृष्ण काण्डपाल, अशोक पाण्डे, हरीश भण्डारी, एमडी खान कंचना तिवारीशिवेन्द्र गोस्वामी,

करवाना भी है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने मीडिया के स्वतन्त्र एवं निष्पक्षता पर जोर देते हुए अपने कार्य को पूरी ईमानदारी से करने की बात कही। वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ है जिसकी गरिमा बनाये रखना हम सभी प्रमोद जोशी, अनिल सनवाल, किशन जोशी, नसीम अहमद, हिमांशु लटवाल, प्रकाश चन्द्र भट्ट, अमित उप्रेती, संतोष बिष्ट, प्रकाश चन्द्र आर्या, संजय भट्ट, आदि पत्रकारों ने अपने-अपने वक्तव्य रखे। कार्यक्रम का संचालन सूचना अधिकारी सुन्दर कुमार द्वारा किया गया।

सिलक्यारा टनल हादसे में कांग्रेस ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

समिति ने किया सिलक्यारा टनल का मौका मुआयना,लापरवाही का आरोप लगाया

उत्तरकाशी(उद संवाददाता)। सिलक्यारा टनल में फंसे 40 मजदूरों को

लेकर भले ही पांच दिन से अधिक का समय बीतने जा रहा है। मजदूरों को टनल से बाहर निकालने के लिए मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और तमाम नौकरशाह लगे हुए हैं लेकिन रिजल्ट संतोषजनक नहीं है। इसे लेकर प्रदेश में अब राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के नेता केंद्र व राज्य की एजेंसियों पर तालमेल की कमी का आरोप लगा रही है। मजदूरों की जान बचाने के लिए लगातार केंद्र और राज्य की एजेंसियां काम कर रही हैं। तो वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के निर्देश के बाद बनी कमेटी के द्वारा भी सिलक्यारा टनल का मौका मुआयना किया गया। समिति के अध्यक्ष मंत्री प्रसाद नैथानी ने बताया कि मौके पर तालमेल की खासी कमी दिखाई दे रही है। इसके साथ ही कार्यदाही संस्था भी मानकों को पूरा नहीं करती है। लेकिन उसके बावजूद भी उसे काम दिया गया जो बताता है कि राज्य की सरकार विकास कार्यों को लेकर कितनी गंभीर है। उन्होंने हादसे की वजह टनल की गुणवत्ता और उसके जियोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट की पारदर्शिता पर लगाए हैं। उन्होंने राष्ट्रपति से टनल कि उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। आपको बता दें कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उत्तरकाशी हादसे की समीक्षा के लिए मंत्री प्रसाद नैथानी की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया था। कमेटी ने ग्राउंड जीरे पर जाकर हालातों का निरीक्षण किया। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार उत्तरकाशी टनल मामले की समीक्षा कर रहे हैं। इसके साथ ही लगातार अधिकारियों को दिशा निर्देश भी दिए जा रहे हैं। ताकि जल्द से जल्द टनल में फंसे मजदूरों को रेस्क्यू किया जा सके।

प्रदेश के सभी टनल प्रोजेक्ट की अब होगी समीक्षा : सीएम

देहरादून। उत्तरकाशी में निर्माणाधीन टनल हादसे में 40 लोग छह दिन बीत जाने के बाद भी फंसे हुए हैं। सीएम धामी ने मीडिया से वार्ता के दौरान बतया कि सिल्क्यारा टनल हादसे के मामले के बाद अब प्रदेश में सभी टनल प्रोजेक्ट की समीक्षा करने की बात कही है। सीएम धामी ने कहा कि हम शहरों की वहन क्षमता का भी आकलन कर रहे हैं। प्रदेश में मसूरी, देहरादून-टिहरी समेत कई टनल प्रोजेक्ट प्रस्तावित और विचाराधीन हैं। सीएम धामी ने गुरूवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान सभी टनल प्रोजेक्टस की समीक्षा कराने की बात कही है। सीएम धामी ने कहा कि उत्तरकाशी टनल हादसे के बचाव अभियान पर पीएमओ नजर बनाए हुए है। पीएम मोदी खुद इसके बारे में जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार लगातार रेस्क्यू अभियान के लिये व्यपक इंतजाम कर रही है ताकि जल्द से जल्द मजदूरों की जिंदगी को बचाया जा सके।

नहाय खाय के साथ आज से छठ पूजा शुरू

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से की 20 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश की मांग

देहरादून। संतान के सुखी जीवन के लिए सूर्यदेव व छठी मैया की आराधना का चार दिवसीय महापर्व छठ आज से नहाय खाय के साथ शुरू होगा। कल खरना, रविवार को संध्या अर्घ्य, जबकि 20 को प्रात: अर्घ्य दिया जाएगा। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में छठ घाटों की सफाई की गई। वहीं, बाजार में पूजा सामग्री के लिए देर शाम तक भीड़ उमड़ी रही है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को छठ पूजा की जाती है। बिहार, झारखंड व उत्तर प्रदेश में इस पूजा का काफी महत्व है। देहरादून की बात करें तो यहां बिहार के लोग इस पर्व को खासा उल्लास के साथ मनाते हैं। चार दिवसीय पर्व की पूर्व संध्या पर गुरुवार को सहारनपुर चौक, झंडा बाजार, हनुमान चौक, प्रेमनगर में महिलाएं दऊरा (बांस की टोकरी), बांस का सूप, डाला, कच्ची हल्दी, अदरक, जंगली बेर, सिंघाड़ा, चकोतरा, गन्ना, लौकी, नारियल आदि खरीदारी करती नजर आईं। जिन्होंने खरीदारी नहीं की वह लोग आज खरीदारी करेंगे। इस पर्व को लेकर पूर्वा सांस्कृतिक मंच (18 घाट) व बिहारी महासभा के (चार घाट) के सेवादारों ने हरबंशवाला, केसरवाला, टपकेश्वर, पथरी बाग, मालदेवता, चंद्रमनी, प्रेमनगर, पंडितवाड़ी, मद्रासी कालोनी, दीपनगर

छठ पूजा का पहला दिन: नहाय-खाय-17 नवंबर, शुक्रवार
छठ पूजा का दूसरा दिन: खरना-18 नवंबर, शनिवार
छठ पूजा का तीसरा दिन: छठ पूजा, संध्या अर्घ्य, रविवार
छठ पूजा का चौथा दिन: उषा अर्घ्य, सोमवार

समेत स्थित घाटों पर सफाई की गई। नहाय-खाय की सुबह यानी सोमवार को बिहारी महासभा से जुड़े लोग टपकेश्वर, चंद्रमनी, प्रेमनगर और मालदेवता स्थित घाटों की सफाई करेंगे। महासभा के अध्यक्ष ललन सिंह व महासचिव चंदन कुमार झा ने बताया कि घाटों की सफाई व पूजा के लिए स्थान बनाए जाएंगे। आज नहाय-खाय के बाद व्रत रख घाटों की सफाई व पूजा होगी। शनिवार को खरना वाले दिन निर्जला व्रत रख शाम को खीर का प्रसाद के साथ व्रत खोला जाएगा। रविवार को विभिन्न घाटों पर अस्ताचलगामी यानी ढलते सूर्य को जल अर्पित कर अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि सोमवार को उदीयमान यानी उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह महापर्व संपन्न होगा। नहाय खाय में अरवा (कच्चा) चावल, लौकी की सब्जी, अरहर की दाल को शुभ माना जाता है। ऐसे में बाजार में सामान्य दिनों के मुकाबले लौकी मांग अधिक रही। जिससे लोग ने कई दुकानदारों से डेढ से दोगुने दाम पर लौकी खरीदी। वहीं, पूर्वा सांस्कृतिक मंच के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों को लौकी, चावल व व्रत का भोजन पहुंचाया। बिहारी महासभा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से 20 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश की मांग की। महासभा के सचिव चंदन कुमार झा ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री को पत्र भेजा गया है। उम्मीद है कि इस दिन अवकाश होने से व्रतियों को मदद मिलेगी। छठ पूजा आयोजन समिति की ओर से ब्रह्मपुरी छठ पार्क में 19 नवंबर को छठ पूजा का भव्य आयोजन होगा। घाट को सजाने के लिए छठ पार्क में कुंड, नहर की सफाई को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समिति के संरक्षक व पार्षद सतीश कश्यप ने बताया कि पूर्वांचल से लोक कलाकार रंगारंग प्रस्तुति पेश करेंगे। अतिथि के रूप में महापौर सुनील उनियाल गामा, धर्मपुर विधायक विनोद चमोली, राज्य मंत्री अजीत चौधरी, भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल शिरकत करेंगे। ब्रह्मपुरी छठ पार्क को केंद्र की अमृत योजना से 80 लाख रुपये की लागत से कुंड व नहर को बनाकर तैयार किया गया है। जिसमें सूर्य मंदिर भी बनाया गया है। लोगों की आस्था के केंद्र छठ पार्क में बहुत ही भव्य छठ पूजा होती है। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष विजय महतो, हरीकिशोर, कौशलेंद्र सिंह, सौरव, सतेंद्र कुमार, संजीत, सुरेश, विपिन आदि मौजूद रहे।

छठ महापर्व की तैयारियों मेंजुटा पूर्वांचल समाज

रूद्रपुर। जनपद में पूर्वांचल समाज का महापर्व छठ पूजा धूमधाम से मनाया जाता है। रूद्रपुर, किच्छा, गदरपुर, काशीपुर , दिनेशपुर, सितारगंज आदि क्षेत्रो में छठ पर्व की तैयारियां शुरू हो गई है। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा आज 17 नवंबर से शुरू हो रहा है। यह पर्व चार दिनों तक चलता है। पहले दिन इस पर्व में नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य के साथ इस त्योहार का समापन होता है। इस पर्व में भगवान सूर्य व छठी माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। छठ व्रत को सबसे कठिन व्रतों में से एक माना गया है। मान्यता है कि छठ व्रत करने से संतान की प्राप्ति, संतान की कुशलता, सुख-समृद्धि व लंबी आयु प्राप्त होती है। खरना का शुभ मुहूर्त 2023: खरना छठ पूजा का दूसरा दिन होता है। इस दिन सूर्योदय का समय सुबह 06 बजकर 46 मिनट और सूर्यास्त का समय शाम 05 बजकर 26 मिनट है। हालांकि अलग-अलग स्थानों में सूर्यास्त व सूर्योदय का समय भिन्न हो सकता है। छठ पूजा 2023 पर संध्या अर्घ्य का समय: छठ पूजा के तीसरे दिन संध्या अर्घ्य दिया जाता है। इस दिन व्रती घाट पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। संध्या अर्घ्य हमेशा सूर्यास्त के समय दिया जाता है। छठ पूजा के दिन यानी 19 नवंबर को संध्या अर्घ्य का समय शाम 05 बजकर 25 मिनट है। इस दिन सूर्योदय समय सूर्य को अर्घ्य देने का समय सुबह 06 बजकर 46 मिनट है। छठ पूजा पर उगते सूर्य को अर्घ्य देने का समय- छठ पूजा का चौथा दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने और व्रत पारण का होता है। इस साल छठ पूजा व्रत का पारण 20 नवंबर को किया जाएगा। इस दिन सूर्योदय सुबह 06 बजकर 47 मिनट पर होगा। ऐसे में उगते सूर्य को अर्घ्य सुबह 06 बजकर 47 मिनट पर दिया जाएगा। इस दिन सूर्यास्त का समय शाम 05 बजकर 26 मिनट है।

विश्व को अहिंसक बनाने की दिशा में एशियाई देशों के साथ भारत की पहल

सम्पूर्ण एशिया वंदनीय है। श्रमजीवी मानव समाज से समृद्ध है। खेती और प्रकृति जीवन की मूल शक्ति है।गत कुछ वर्षो से जब से यूरोप में आर्थिक तंगी ,कोरोना और उसके बाद सत्ता शाहियो के पद मद से युद्धों की राजनीति ने अंगड़ाई ली है। एशिया महाद्वीप की सांस्कृतिक और प्राकृतिक शक्तियां मनुष्यता की पक्षधर होकर सामने प्रकट हो रही हैं। यूरोपीय देश, इस समय युद्ध के चक्रव्यूह में इस तरह से ग्रस्त है कि राजनीति, आर्थिक और सांस्कृतिक स्तर पर इनकी छवि दिन ब दिन क्षत विक्षत होती नजर आ रही है। अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के द्वारा सारे बौद्धिक योगासन और समझोतो निमित्त शीर्ष आसन करने के बावजूद रूस और यूक्रेन में युद्ध विराम नहीं हो सका और उधर गाजा और इजराइल ने युद्ध छेड़ दिया। इधर प्रकृति भी यूरोप और अमेरिका से खुश नहीं है। जैसे उनके मांसाहारी जीवन शैली का प्रतिरोध करने के निमित्त उसने भी अपने मौसम के सारे विधान ही उल्ट पलट दिए हैं। ऐसे में, गहरे अर्थों में विश्व में सर्वाधिक आबादी वाला भारत देश एशियाई देशों के शांति प्रिय प्राकृतिक मूल्यों का नेतृत्व करने में सक्षम दिख रहा है। इंडोनेशिया, बाली, थाइलैंड जैसे द्वीप समूह में आज भी प्राचीन आर्य और भारतीय संस्कृति की चिन्ह है, जिनसे श्रीराम संस्कृति और मानवीय संस्कृति की खुशबू आती है। मरिश्स फिजी,जैसे भारत वंशी द्वीप भारती संस्कृति के आज भी दीप द्वीप बने हुए मनुष्यता का प्रकाश फैला रहे है। श्री राम का जीवन चरित्र ने इन देशों के नागरिकों को अपना भक्त बना दिया है जबकि पश्चिमी देश भौतिकता के जाल में इस तरह फंस गए कि उन्हें मुक्ति के लिए प्रकृति सम्मत रास्ता मिलना कठिन हो गया है। ऐसे में भारत देश की अपनी शक्तियों की नियत से स्पष्ट है कि एक ओर उनके पास युद्ध के विरुद्ध होने की राजनीतिक और शासन की आचरण संहिता है तो दूसरी ओर मानव धर्म की तुला पर सम्पूर्ण विश्व को एक करने की शक्ति है। जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग दिवस के रूप में पूरे विश्वको एक कर लिया है वैसे ही मन मानस की शक्ति के लिए प्रकृति सम्मत होने का रास्ता दिखा देगा। एशियाई देशों में भारत उन देशों की सांस्कृतिक शक्ति के साथ जुड़कर वैश्विक स्तर पर भौतिकता के प्रतिरोध की अस्मिता रचने में तत्पर है। शीघ्र ही विश्व मंगल निमित्त भारत के नेतृत्व में एशियाई देशों की यह करिश्माई भूमिका दिखाई देगी।

-प्रो.पुष्पित अवस्थी

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने किया मंत्रमुग्ध

रूदपुर(उद संवाददाता)। श्री श्री शारदीय श्यामा काली पूजा के अवसर पर रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम संजय नगर, महतोष मोड पर विविध धार्मिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। इस दौरान मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ स इससे पूर्व उत्तराखंड सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री और गदरपुर विधायक, अरविंद पांडे सहित मंडी समिति रुद्रपुर के अध्यक्ष के के दास, रुद्रपुर नगर पालिका परिषद की पूर्व चेयरपर्सन श्रीमती मीना शर्मा, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष उत्तम दत्ता आदि ने फीता काटकर पूजा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो का उद्घाटन किया। बाद में बाहर से आए कलाकारों द्वारा शानदार तरीके से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर पूर्व शिक्षा मंत्री अरविंद पांडे, पूर्व पालिका अध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष उत्तम दत्ता, मंडी समिति अध्यक्ष के व के दास आदि ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित किया स इस अवसर पर पूजा समिति के अध्यक्ष हर्षित विश्वास, कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष संजीव रस्तोगी, डॉक्टर सुमित राय, कांग्रेस नेता अनिल शर्मा, नेपाल सरकार,सुभाष कीर्तनिया,निहीर सिकदर,अनुपम ओझा, अभिषेक राय, रवि,सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे स इस अवसर पर पूजा समिति द्वारा सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

पेज एक का शेष...

वाहन खाई ...पुलिस को भी फोन किया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच रेस्क्यू अभियान चलाया। मृतकों की पहचान 38 वर्षीय धनी देवी पत्नी रमेश पनेरू,35 वर्षीय तुलसी प्रसाद पुत्र रमेश चंद्र , 26 वर्षीय रमा देवी पत्नी तुलसी प्रसाद , 6 वर्षीय योगेश पुत्र तुलसी प्रसाद , 45 वर्षीय देवी दत्त पुत्र ईश्वरी दत्त ,26 वर्षीय नरेश पनेरू पुत्र पूरन पनेरू एवं 5 वर्षीय तरुण पनेरू पुत्र तुलसी पनेरू के रूप में हुयी है। जबकि घायलों में 36 वर्षीय चालक रमेश पनेरू पुत्र लाल मणी, 25 वर्षीय शिव राज सिंह पुत्र कुंवर सिंह ,20 वर्षीय नवीन सिंह पुत्र कुंवर सिंह ,46 वर्षीय हेम चंद्र पनेरू पुत्र किशन चंद्र आदि शामिल हैं।

सुरग में फंसे ..भेजे जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम द्वारा टनल में फंसे लोगों की उनके परिजनों से फोन पर बात भी कराई जा रही है। दूसरी ओर, रेस्क्यू टीमों द्वारा लगातार संपर्क बनाते हुए लोगों का हौसला भी बढ़ाया जा रहा है। सिलक्यारा टनल में नई मशीन के जरिए ड्रिलिंग इंटनरेशनल टनल ऑर्गेनाइजेशन की सलाह पर की जा रही है। इस घटना से जुड़े रिकार्ड और डेटा ऑर्गेनाइजेशन के एचओडी को भेजे गए थे। इसके अध्ययन के बाद जो सर्वश्रेष्ठ विकल्प उन्होंने बताया, उसी के अनुसार सरकार आगे बढ़ रही है। फिलहाल टनल में फंसे मजदूरों के लिए चार इंच का एक पाइप जीवन रेखा का काम कर रहा है। इस पाइप के जरिए ही मजदूरों की बाहर अपने परिजनों और रेस्क्यू टीम के साथ बातचीत हो रही है। इसी के जरिए भीतर खाद्य सामग्री, दवाएं और ऑक्सीजन भी भेजी जा रही है।

रूद्रपुर में विराट ..प्रसाद बिस्मिल, खुदी राम बोस, मदन लाल ढींगरा, रानी लक्ष्मी बाई, विनायक दामोदर वीर सावरकर, स. उधम सिंह कम्बोज, मंगल पाण्डे, छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, लोक मान्य बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, अशफाक उल्ला खां, वीर अब्दुल हमीद, राष्ट्र के महापुरूष महात्मा गांधी जी, नेताजी सुभाष चन्द्र बासे, स्वामी विवेकानंद जी, स. बल्लभ भाई पटेल, बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, डा. श्यामा प्रसाद मुखजी की स्मृति में आगामी 20 नवम्बर को विराट कवि सम्मेलन का आयोजन शाम 5 बजे से जनता इंटर कालेज में होगा। कवि सम्मेलन में विख्यात कवि सुदीप भोला, विनीत चौहान, शंभू शिखर, नवीन पार्थ, मुमताज नसीम, अमन अक्षर, गौरव चौहान, दीपक पारिख,शशि श्रेया आदि को आर्मंत्रित किया गया है। कवि सम्मेलन में प्रवेश नि:शुल्क रखा गया है। कवि सम्मेलन की तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। पूर्व विधायक ठुकराल ने कवि सम्मेलन में अधिक से अधिक लोगों से पहुंचकर कवियों का हौंसला बढ़ाने की अपील की है। पत्रकार वार्ता में आशीष छाबड़ा, बंटी कोली भी मौजूद थे।

लापरवाही पर शासन ने ...सरकार द्वारा वर्ष 2021 में स्वीकृत जोगीवाला -लाडपुर -रायपुर रोड - सहस्त्रधारा कासिंग होते हुए खैरी मानसिंह के निकट तक मार्ग के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकर्ण कार्य हेतु शासन द्वारा 27 अक्टूबर 2021 को प्रदत्त वित्तीय स्वीकृति के बावजूद एक वर्ष से अधिक समय व्यतीत हो जाने के बाद भी यूटिलिटी शिफ्टिंग (विद्युत लाईन, पेयजल लाईन आदि) के समस्त आगणन शासन को उपलब्ध नहीं कराए गए। जिससे मार्ग रुकावट मुक्त नहीं होने के कारण उक्त महत्वपूर्ण मार्ग के चौड़ीकरण कार्य में अत्यधिक विलंब किए जाने तथा शासन स्तर पर आहूत विभिन्न बैठकों में प्रतिभाग नहीं किए जाने के कारण धीरेंद्र कुमार, अधिशासी अभियंता अस्थाई खंड, लोक निर्माण विभाग, ऋषिकेश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागाध्यक्ष कार्यालय, देहरादून में संबंद्ध करते हुए नियमानुसार अनुशासनिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कालोनाइजर पर कसा..द्वारा सरकारी भूमि पर कब्जा करने को लेकर कुछ लोगों ने शिकायत की थी। जिस पर प्रशासन द्वारा कार्यवाही करते हुए भूमि की नाप जोख की गई तथा वन विभाग एवं अन्य विभागों की सरकारी भूमि को प्रशासन द्वारा कब्जे में लिया गया। कालोनाइजर द्वारा भी अपने सभी दस्तावेज अधिकारियों को दिये हैं।समाचार लिखे जाने तक मौके पर कार्रवाई जारी थी।

स्मैक के साथ... की गयी। अभियुक्तगणो से उनके जुर्म से अवगत कराते हुये मौके पर गिरफ्तार गया। पकड़े गये एक व्यक्ति ने पूछताछ में बताया कि यह स्मैक बहेड़ी से कल्लू नाम के व्यक्ति से खरीदी है, जिसे वह बेचने के लिये जा रहा था, पकड़े गए अभियुक्तगणों के विरुद्ध कोतवाली किच्छा में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

नाम परिवर्तन सूचना

सूचित है कि मैंने अपना नाम प्रदीप कुमार से बदल कर उप नाम कुमार प्रदीप रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

कुमार प्रदीप पुत्र सुरेन्द्र कुमार, शिव मंदिर वार्ड नम्बर 4, गदरपुर तहसील गदरपुर, ऊधम सिंह नगर

12 खंड शिक्षाधिकारियों के तबादले

देहरादून(उद संवाददाता)। शासन ने पदोन्नत 12 खंड शिक्षाधिकारियों की विकासखंडों में तैनाती कर दी है। शासन ने खंड शिक्षाधिकारी विनोद कुमार को लक्सर (हरिद्वार), खुशाल सिंह टोलिया को जोशीमठ (चमोली), अनी नाथ को नारायणबगड़ (चमोली), भूपिंद्र कुमार को बेरीनाग (पिथौरागढ़), डीएल आर्य को मुनस्यारी (पिथौरागढ़) में तैनात किया गया है। पंकज कुमार को मोरी (उत्तरकाशी), पल्लवी नैन को चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी), केना को भीमताल (नैनीताल), सुषमा गौरव को ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग), डा गुंजन अमरोही को देवाल (चमोली), मास्टर आदर्श को पौड़ी और श्याम सिंह बिष्ट को रामनगर (नैनीताल) भेजा गया है। खंड शिक्षाधिकारियों को सात दिन इन सभी के भीतर नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। यदि किसी खंड शिक्षाधिकारी ने नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं किया तो उन्हें वर्तमान तैनाती स्थल से स्वत: कार्यमुक्त समझा जाएगा। उनका वेतन भी पिछले तैनाती स्थल से आहरित नहीं किया जाएगा।

भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

रूद्रपुर। अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में पुलिस ने अलग अलग स्थानों से अवैध शराब बरामद की ह। एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जबकि दूसरा फरार हो गया। मुखविर की सूचना पर पुलिस टीम ने इंदिरा बंगाली कालोनी में एक खोखे में छापा मारकर मौके से 83 पाउच अवैध शराब बरामद की। पुलिस को देखकर मौके से खोखा स्वामी शंभू फरार हो गया। वहीं विजय बर्मन के निवास पर पुलिस ने छापा मारा तो वहां विजय बर्मन घर के बाहर शराब बेच रहा था। मौके पर तीन प्लास्टिक के कट्टों के शराब बरामद की गयी।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

SAMSUNG
गुरू माँ
Galaxy Tab S9 Series
samsung.com
Own now at ₹ 60999*
Up to ₹ 12000 HDFC Bank Cashback
Samsung upgrade bonus of ₹ 3000*
No cost EMI Up to 24 months#*
HDFC BANK
Galaxy Z Flip5
Own now at ₹ 3379/month*
Zero down payment | 30 months low cost EMI
Galaxy Z Fold5
Own now at ₹ 5237/month*
Zero down payment | 30 months low cost EMI
Galaxy S23 FE
Own at ₹ 67 per day*
SAMSUNG SMART PLAZA
Guru Maa Enterprises
No D1 & D2, opposite Guru Maa Dental Clinic, Civil Lines, Rudrapur, Uttarakhand 263153 Contact: 070390 02656
Cheema Chauraha, Ramnagar Rd, opp. HDFC Bank, Kashipur, Uttarakhand 244713 Contact: 070390 02648
BAJAJ FINSERV
HDB FINANCIAL SERVICES
आधार लाये, उधार ले जाएँ
EMI मात्र ₹990 प्रति माह से शुरू*
EASY EMI OPTION AVAILABLE
AMERICAN EXPRESS
सेल्स एवं सर्विस हेतु कॉल करें - 8791989500, 9927882338 उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन